आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, मंगलवार 24 फरवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 102

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

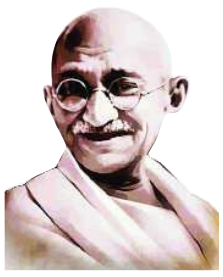

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

यशवंत सागर के पानी पर भी प्रदूषण का साया!

पेज-2

अभिनय नहीं, संगीत ही मेरा सच्चा रास्ता- अमृता

पेज-5

भोजशाला पर एएसआई की रिपोर्ट...

पेज-6

निजी विश्वविद्यालयों में लॉ के एडमिशन बढ़ाने के लिए डीएवीवी का नया खेला!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) एक बार फिर विवादों में है। इस बार मामला लॉ कॉलेज के छात्रों के रिजल्ट बिगड़ने का है। आरोप है कि परिणामों में गड़बड़ी के पीछे यूनिवर्सिटी के कुछ उच्च अधिकारियों की मिलीभगत है।

छात्रों का कहना है कि जिन विषयों में उन्हें अच्छे अंक मिलने की उम्मीद थी, वहां चौंकाने वाले तरीके से कम अंक दिए गए। कई छात्रों को एटीकेटी और सप्लीमेंट्री की स्थिति में पहुंचा दिया गया। अब सवाल यह उठ रहा है कि यह सिर्फ तकनीकी गलती है या इसके पीछे कोई बड़ा खेल?

ओएसडी की नियुक्ति पर बवाल!

सूत्रों के अनुसार विवाद तब और गहरा गया जब लॉ कॉलेज में ओएसडी के रूप में जाजू नामक जिस प्रोफेसर की नियुक्ति की गई है, वह सूत्रों के मुताबिक, जाजू को वैष्णव मैनेजमेंट कॉलेज का प्रोफेसर बताया जा रहा है, जबकि अशासकीय वैष्णव विश्वविद्यालय और वैष्णव मैनेजमेंट कॉलेज एक ही ट्रस्ट द्वारा संचालित है। इस तरह विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण विभाग के ओएसडी पद पर निजी विश्वविद्यालय का अप्रत्यक्ष तौर पर नियंत्रण नजर आ रहा है। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के एक अधिकारी ने अपना नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि कतिपय निजी विश्वविद्यालयों को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों की आड़ लेकर इस तरह से लॉ कॉलेज के ओएसडी बनाए गए। जबकि इस विश्वविद्यालय के कैंपस में ही अनेकों ऐसे प्रोफेसर है, जो लॉ कॉलेज के ओएसडी बनने की पात्रता रखते हैं, लेकिन इसके बावजूद भी यहां के उच्च अधिकारियों की मिलीभगत के चलते नियमों का मखौल उड़ाया जा रहा है।

ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि एक अन्य विश्वविद्यालय से जुड़े व्यक्ति को डीएवीवी के लॉ कॉलेज में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी कैसे सौंप दी गई? शिक्षा जगत में चर्चा है कि नियमों को दरकिनार कर यह नियुक्ति की गई। यदि ऐसा है तो क्या यह नियुक्ति केवल प्रशासनिक थी या इसके पीछे परिणामों से जुड़ा कोई समीकरण काम कर रहा था? विश्वसनीय सूत्र बता रहे हैं कि इस मामले में करोड़ों का खेल भी शामिल हो सकता है। लॉ कॉलेज के छात्रों और अभिभावकों में भारी नाराजगी है। छात्रों का कहना है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं रखी गई। री-टोटलिंग और री-चेकिंग के आवेदन लंबित पड़े हैं।

टालमटोल में लगा प्रबंधन

इस पूरे मामले पर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अब तक कोई स्पष्ट और आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अंदरखाने यह चर्चा जरूर है कि मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि इस मामले में 'दैनिक इंदौर संकेत' ने ***विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार प्रज्वल खरे*** *से बात की।*

क्या नियमों के विरुद्ध विश्वविद्यालय में लॉ के ओएसडी बनाए गए?

■ *विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्त कॉलेज के प्रोफेसर को ओएसडी बनाए जाने का प्रावधान है।*

हमारे पास जानकारी अनुसार वर्तमान ओएसडी एक निजी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है?

■ *अगर इस संबंध में आपको कोई प्रमाण उपलब्ध करा देंगे, तो हम उन्हें तत्काल हटा देंगे।*

क्या निजी विश्वविद्यालय को फायदा पहुंचाने के लिए डीएवीवी अपना खुद का रिजल्ट बिगाड़ रहा है?

■ *नहीं, ऐसा कुछ नहीं है।*

न्यूज ब्रीफ

- लेह जा रहे स्पाइसजेट के विमान में आई तकनीकी खराबी, दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरा
- दिल्ली : राहुल गांधी के बाद अब आप सांसद संजय सिंह से मिले कोटद्वार के मोहम्मद दीपक
- IDFC फर्स्ट बैंक के खिलाफ हरियाणा में केस दर्ज, 590 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला
- 'जयललिता करिश्माई नेता', तमिलनाडु की पूर्व सीएम की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि
- राहुल गांधी और खड़गे आज भोपाल में करेंगे 'किसान महापंचायत', यूएस ट्रेड डील के खिलाफ हल्लाबोल
- प्रियंका गांधी आज से वायनाड के तीन दिन के दौरे पर रहेंगी

मुंबई में भाजपा का राष्ट्रीय प्रशिक्षण, नजर एमपी के नेताओं पर

मुंबई (एजेंसी) ● मुंबई में भाजपा का राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम होने जा रहा है। यह पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का हिस्सा है। मध्य प्रदेश से कई बड़े नेता इसमें भाग लेंगे। मध्य प्रदेश की जो प्रशिक्षण टोली प्रशिक्षित होगी वह मध्य प्रदेश में आकर प्रशिक्षण वर्ग में शामिल नए पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देगी। मुंबई में जोनल स्तर का बड़ा प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा। इसमें वेस्टर्न जोन के नेता और कार्यकर्ता भाग लेंगे। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय रणनीति से जुड़ा है। भाजपा इसे संगठन मजबूत करने का प्रयास बता रही है। पार्टी का मानना है कि मजबूत कार्यकर्ता ही ताकत हैं। इसलिए प्रशिक्षण को गंभीरता से लिया जा रहा है। मध्य प्रदेश से कई प्रमुख नेता शामिल होंगे। इनमें आशीष अग्रवाल, सुरेंद्र शर्मा, लाल सिंह आर्य, नितेश शर्मा, भगवानदास सबनानी, पंकज जोशी और लोकेंद्र पाराशर, आलोक संजर और मोहन नागर, सुयश त्यागी, अभिलाष पाण्डेय, पंकज चतुर्वेदी, सुरेश आर्य, राजेंद्र अग्रवाल, रजनीश अग्रवाल, अरविंद भदौरिया और पंकज नागर शामिल रहेंगे। अगर प्रशिक्षण प्रभावी रहा तो भाषा में सुधार दिख सकता है। संगठन में एक जैसा संदेश देने में मदद मिल सकती है। नए पदाधिकारियों को स्पष्ट दिशा मिल सकती है। कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास बढ़ सकता है। संगठन की छवि मजबूत हो सकती है। अगर सीख पर अमल नहीं हुआ तो असर सीमित रहेगा।

प्रशिक्षण में क्या सिखाया जाएगा

प्रशिक्षण में विचार और व्यवहार दोनों पर जोर रहेगा। नेताओं को सार्वजनिक जीवन की मर्यादा समझाई जाएगी। संवाद में संयम रखने की सीख दी जाएगी। सोशल मीडिया पर सावधानी की बात होगी। नेतृत्व क्षमता बढ़ाने पर सत्र रखे जाएंगे। टीम भावना पर विशेष जोर दिया जाएगा। समय पालन और अनुशासन पर ध्यान रहेगा। विषय आधारित सत्र तय किए गए हैं। प्रशिक्षक ऐसे होंगे जो अनुभव रखते हैं। वे कार्यकर्ताओं को व्यावहारिक उदाहरण देंगे।

पुलिस थाने भी देने लगे विज्ञापन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में अब पुलिस थाने भी विज्ञापन देने लगे हैं। सोमवार 23 फरवरी को एक समाचार पत्र के इंदौर संस्करण में दो थानों के बंधाई संदेश के नाम पर विज्ञापन छपे। एक में तो थानेदार साहब का फोटो ही लगा है। यह विज्ञापन समाचार पत्र के 43वें वर्ष पूर्ण करने के छपे हैं। एक विज्ञापन भंवरकुआं थाने के नाम पर छपा है, जिसमे बधाई संदेश है। यहां के थाना प्रभारी राजकुमार यादव है। वहीं दूसरा लसूडिया थाना प्रभारी तारेश सोनी के नाम से छपा है, इसमें उनकी फोटो भी लगी है। लसूडिया थाने के विज्ञापन में समाचार पत्र को बधाई संदेश के साथ ही लंबी-चौड़ी तारीफ छापी गई है।

इस मामले में टीआई राजकुमार यादव ने माना कि यह संदेश उनकी ओर से ही छपा है। लेकिन जब पूछा गया कि क्या थाने से ऐसे विज्ञापन हो सकते हैं तो उन्होंने कहा कि विज्ञापन है क्या है हमने देखा नहीं। जब पूछा गया कि यह तो विज्ञापन ही होगा और कमर्शियल होगा। इस पर टीआई बोले पता नहीं मैंने देखा नहीं।

डीजीपी दे रहे हैं अनुशासन में रहने की नसीहत

उल्लेखनीय है कि रील बनाने और पुलिस वर्दी की लाज नहीं रखने के चलते डीजीपी कैलाश मकवाना ने सभी पुलिस अधिकारियों को गाइडलाइन जारी की हुई है। इसमें अनुशासन में रहने की और वर्दी का मान रखने की नसीहत दी गई है। लेकिन अब क्या विज्ञापन देना अनुशासनहीनता है या नहीं और इसके लिए फंड कहां से थानों द्वारा दिया गया, यह बड़ा सवाल है।

शुभेच्छु देकर बच गए दूसरे -वहीं कुछ और बधाई संदेश वाले विज्ञापन भी छपे हैं। सूत्रों के अनुसार यह भी पुलिस थानों से ही है। लेकिन इसमें शुभेच्छु लिखकर खुद को बेवजह विवादों में लाने से बचा लिया है। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा दबंग तो लसूडिया थाना ही निकला है, जो इंदौर का सबसे प्रमुख क्राईम थाना माना जाता है। इसमें न सिर्फ टीआई का नाम है, बल्कि फोटो और लंबा-चौड़ा संदेश भी है।

(साभार द सूत्र)

'100 विधायक लाओ और सीएम बन जाओ'

ऑफर देकर बुरे फंसे अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी) ● उत्तर प्रदेश का राजनीतिक पारा एक बार फिर से चढ़ गया है, जिसकी वजह से बयानबाजी तेज हो गई है। वजह है सपा मुखिया अखिलेश यादव का वो ऑफर, जो उन्होंने इशारों ही इशारों में सीएम योगी के दोनों डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य को दिया है। सीएम योगी के जापान दौरे पर रवाना होने से पहले अखिलेश ने बिना नाम लिए बीजेपी के दोनों डप्टी सीएम को ऑफर देते हुए कहा कि 100 विधायक लाओ और सीएम बन जाओ। उन्होंने ये तो कहा कि 100 विधायक लाने वाला यूपी का सीएम बन सकता है, लेकिन इस दौरान उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।

अखिलेश लोकतंत्र का उपहास उड़ा रहे

दिल्ली बीजेपी नेता आरपी सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव जब ये कहते हैं कि 100 विधायक लाओ और 1 हफ्ते के लिए मुख्यमंत्री बन जाओ तो वे राजनीति का और लोकतंत्र का उपहास उड़ा रहे हैं। उन्हें पता है कि वे कभी अपने दम पर तो मुख्यमंत्री बनने से रहे, इसलिए वे इस तरह से मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखते रहते हैं।

जनता अखिलेश को गंभीरता से नहीं ले रही

यूपी में बीजेपी के प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने अखिलेश के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उनका ये बयान उनकी राजनीतिक हताशा को दिखाता है। सपा अध्यक्ष जब भी टीवी पर आते हैं तो लोग उनको देखकर हंसने लगते हैं। गंभीर मुद्दों पर भी वह हंसते हैं, इसीलिए राज्य की जनता उनको गंभीरता से नहीं लेती है उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को विकास चाहिए न कि बयानबाजी।

भाजपा-कांग्रेस भिड़ंत में एडीसीपी को धक्का

टीआई ने दर्ज कराया सरकारी काम में बाधा का केस, जल्द हो सकती हैं गिरफ्तारियां

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● गांधी भवन के सामने शनिवार को भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई पत्थरबाजी के मामले में अब पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। थाना प्रभारी ने खुद फरियादी बनकर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है, जबकि एक अधिकारी को धक्का देने का वीडियो भी सामने आने के बाद सरकारी काम में बाधा का केस बनाया है। पुलिस फुटेज और ड्रोन कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान कर रही है।

दो दिन पहले गांधी भवन (कांग्रेस कार्यालय) के सामने भाजयुमो के प्रदर्शन के दौरान दोनों पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। पत्थर, टमाटर, संतरे और पानी की बोतलें फेंकी गईं। पुलिस को वाटर कैनन चलाना पड़ा। इस दौरान सब-इंस्पेक्टर एसएस बघेल (द्वारकापुरी थाना) घायल हुए थे। उन्होंने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान उन पर पत्थर मारा गया। थानेदार ने सरकारी काम में बाधा डालने का केस दर्ज कराया है।

इधर, वायरल वीडियो में भाजपा नेता अखिलेश राय पत्थर फेंकते दिख रहे हैं। साथ ही एडीसीपी दिशेष अग्रवाल के साथ बदसलूकी और धक्का देने का फुटेज भी सामने आया है। एक युवक ने पीछे से एडीसीपी को धक्का देकर गिरा दिया। हालांकि, अधिकारी ने खुद रिपोर्ट नहीं लिखाई, लेकिन थाने से कार्रवाई शुरू हो गई है। पुलिस अब कैमरों और ड्रोन फुटेज से आरोपियों को पकड़ने की तैयारी में है।

टमाटर विवाद और आरोप-प्रत्यारोप-झड़प के दौरान टमाटर फेंके जाने को लेकर विवाद हुआ। कांग्रेस पर आरोप लगा कि उन्होंने चोइथराम मंडी से टमाटर के कैरेट मंगवाए। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने मंडी सचिव को फोन कर सीसीटीवी चेक करने को कहा, लेकिन कैमरों में कोई कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं मिला। सूत्रों के अनुसार, टमाटर का इंतजाम भाजपा नेताओं ने ही किया था।

कांग्रेस की सूची में कई बड़े नाम-कांग्रेस ने पुलिस को पत्थरबाजी करने वालों की सूची सौंपी है, जिसमें भाजपा के कई पदाधिकारी शामिल हैं। सूची में ये प्रमुख नाम शामिल हैं..

घायल हुई बिंदु चौहान सहित कुल 34 नामों पर केस दर्ज करने की मांग की गई है। पुलिस दोनों पक्षों के फुटेज की जांच कर रही है और जल्द ही गिरफ्तारियां होने की संभावना है। घटना के बाद इंदौर की सियासत गरमा गई है, जहां दोनों पार्टियां एक-दूसरे पर हमले की योजना बनाने का आरोप लगा रही हैं।

ना नई लाड़ली बहना बनेगी ना ही मिलेंगे तीन हजार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● सदन में कल लाड़ली बहना योजना के नए पंजीकरण को लेकर खूब हंगामा हुआ। इसे लेकर कांग्रेस विधायक महेश परमार ने सवाल एक उठाया कि लाड़ली बहना योजना के तहत पात्र नई बहनों का पंजीकरण कब से शुरू होगा? सरकार इस बारे में कोई साफ जानकारी नहीं दे रही है।

भाजपा विधायक का पलटवार : भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने इस पर पलटवार करते हुए जवाब दिया। कहा कि मंत्री तो सही तरीके से जवाब दे रहे हैं, लेकिन पहले यह बताइए कि कांग्रेस नेता जीतू पटवारी बहनों से क्या कह रहे हैं।

सत्र के दौरान विपक्ष ने सदन में लाड़ली बहना और बुजुर्ग पेंशन योजना को लेकर जमकर हंगामा किया। कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार ने महिलाओं से जुड़ा मुद्दा उठाते हुए एक मांग की। लाड़ली बहना योजना में नई पात्र बहनों का रजिस्ट्रेशन किया जाए। इसके लिए पोर्टल खोला जाए।

कांग्रेस का कहना है कि राज्य सरकार 60 साल से ऊपर की बहनों को योजना से बाहर नहीं कर सकती। सिकरवार ने आरोप लगाया कि सरकार महिलाओं के मुद्दे पर कोई जवाब नहीं दे रही है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि सरकार अपना काम कर रही है। विपक्ष को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि 60 साल से ऊपर की बहनों को वृद्धा पेंशन मिल रही है। किसी भी बहन का नाम नहीं काटा गया है। मंत्री ने बताया कि नए पंजीकरण के सवाल का जवाब देना मुश्किल है। समय के साथ सब कुछ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि लाड़ली बहनों के नए पंजीकरण या राशि को तीन हजार करने का कोई प्रस्ताव अभी विचाराधीन नहीं है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी नए पंजीयन के लिए एक समय-सीमा तय करने की मांग की। वहीं महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि अभी के लिए इस पंजीयन की कोई समय-सीमा नहीं तय की जा सकती।

न्यूज ब्रीफ

पी.एम. राहत योजना जिले में शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पी.एम. राहत योजना (सड़क दुर्घटना पीड़ित को अस्पताल में भर्ती एवं सुनिश्चित उपचार) इंदौर जिले में प्रारंभ हो गया है। योजना अंतर्गत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को गोल्डन ऑवर के दौरान दुर्घटना की तिथि से सात दिनों के भीतर डेढ़ लाख रुपये तक का कैशलेस चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। जिले में आयुष्मान भारत योजना PM-JAY के अंतर्गत संबद्ध समस्त अस्पताल पी.एम. राहत योजना के अंतर्गत नामित अस्पतालों के रुप में कार्य करेंगे। इसके साथ-साथ ही पी.एम. राहत योजना में आयुष्मान योजना के अंतर्गत संबद्ध अस्पतालों के अतिरिक्त अन्य अस्पतालों को भी नामित किए जाने की कार्यवाही की जा रही है। इस योजना में गैर-नामित अस्पतालों में भी दुर्घटना पीड़ित व्यक्ति का स्थिरीकरण उपचार कराना होगा।

रॉबर्ट नर्सिंग होम को 29 लाख रूपये के मेडिकल इक्यूमेंट भेंट किये

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रोटरी क्लब ऑफ इंदौर यूनाइटेड ने आज रॉबर्ट नर्सिंग होम में आयोजित एक कार्यक्रम में हॉस्पीटल को 29 लाख रूपये के मेडिकल इक्यूमेंट भेंट किये। जिसमें सर्जिकल माइक्रोस्कोप, कॉबलेटर आदि शामिल हैं। इन उपकरणों से आँख, नाक और गले के रोगियों का बेहतर और सूक्ष्म तरीके से उपचार हो सकेगा। शुरूआत में रोटरी क्लब ऑफ इंदौर यूनाइटेड दो मरीजों का नि:शुल्क उपचार करेगा। इस आयोजन में रॉबर्ट नर्सिंग होम के सचिव डॉ. विजयसेन यशलाह, रोटरी क्लब के डिस्ट्रीक्ट गवर्नर श्री सुशील मल्होत्रा, संस्कार कोठारी, अनीश मलिक, नितिन डफरिया, श्रीमती रेबा मजुमदार, राजकुमार गट्टानी और गोपाल मोदी विशेष रूप से उपस्थित थे।

इकोक्लब द्वारा 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' विषय पर सतत जीवनशैली कार्यशाला का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन इंदौर में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण और प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में इकोक्लब द्वारा बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट विषय पर सतत जीवनशैली कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की प्राध्यापक डॉ. अन्तिमबाला शास्त्री ने न्यूज पेपर से बैग, पुरानी चूड़ियाँ से नई फैंसी चूड़ियाँ, जूट से पॉट हैंगिंग, चूड़ी बॉक्स बनाना सिखाया । डॉ. निधि गुप्ता द्वारा नारियल का सजावट करके उसमें पौधे लगाना, सीडी से टीकोस्टर, दीया स्टैंड एवं झूमर, लिफ़ाफ़ा, टैग बनाना सिखाया ।

सपा के जिला अध्यक्ष बटेश्वर नाथ सिंह आज झाबुआ में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष आज झाबुआ जिले में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे

इंदौर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री बटेश्वर नाथ सिंह आज झाबुआ जिले में कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे और समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलाएंगे यह कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनोज यादव की आदेश पर किया जा रहा है इस कार्यक्रम में झाबुआ के सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित होंगे इसमें संगठन को कैसे मजबूत किया जाए उसे विषय पर भी चर्चा होगी जिला अध्यक्ष झाबुआ में हो रहे समाजवादी पार्टी के धरना प्रदर्शन में भी शामिल होंगे

यशवंत सागर के पानी पर भी प्रदूषण का साया!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के पश्चिमी क्षेत्र को पेयजल उपलब्ध कराने वाले यशवंत सागर तालाब का पानी भी दूषित होने लगा है। इस बारे में राज्य सरकार के द्वारा चेतावनी जारी किए जाने के बाद इंदौर नगर निगम और प्रदूषण नियंत्रण मंडल जाग गए हैं। गंभीर नदी में उद्योगों का केमिकल वेस्ट और ड्रेनेज का पानी मिल रहा है जो की इस तालाब के पानी को दूषित कर रहा है।

पिछले दिनों प्रदेश के नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे के द्वारा लिखा गया एक पत्र जिला प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों के पास पहुंचा है। इस पत्र में लिखा गया है कि रामासर साइट के रूप में चयनित किए गए यशवंत सागर का पानी दूषित हो रहा है। इस यशवंत सागर में गंभीर नदी का पानी आकर मिलता है। इस नदी में उद्योगों का केमिकल वेस्ट और कई स्थानों का ड्रेनेज का पानी मिल रहा है। यह पानी जाकर यशवंत सागर में समाहित होता है जिसके चलते हुए यशवंत सागर का पानी भी दूषित होने लगा है।

सूत्रों ने बताया कि इस चिट्ठी के आधार पर कलेक्टर शिवम वर्मा के द्वारा पूरे मामले का परीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। इस निर्देश के आधार पर इंदौर नगर निगम की टीम भी सक्रिय हो गई है। निगम के अधिकारियों का कहना है कि गंभीर नदी पीथमपुर से आती है। ऐसे में पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगों का केमिकल वेस्ट इस नदी में मिले जाने की आशंका है। इसके साथ ही रास्ते में आने वाले गांव का

ड्रेनेज का पानी भी इस नदी में डाला जा सकता है। इस स्थिति को देखते हुए नगर निगम के द्वारा प्रदूषण नियंत्रण मंडल को पत्र लिखकर पीतमपुर के उद्योगों की जांच करने के लिए कहा गया है।

नियम के अनुसार सभी उद्योगों के द्वारा अपने यहां केमिकल वाटर के ट्रीटमेंट के लिए प्लांट लगाए गए हैं। अब यह देखना होगा कि यह प्लांट बराबर काम कर रहे हैं अथवा नहीं। इसके लिए प्रदूषण नियंत्रण मंडल से कहा गया है कि वह ऐसे सभी उद्योगों की जांच कर यह सुनिश्चित करें कि इन उद्योगों के द्वारा तो कहीं केमिकल वेस्ट नदी में नहीं डाला जा रहा है। इसके साथ ही जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से कहा गया है कि गंभीर नदी के रास्ते में आने वाले सभी गांव में जांच करवा कर यह देखा जाए की कहीं इन गांव का ड्रेनेज का पानी इस नदी में तो नहीं डाला जा रहा है। विभिन्न क्षेत्रों से बहते हुए यशवंत सागर में आने तक इस नदी का पानी बुरी तरह से दूषित हो रहा है।

अभी समस्या गंभीर नहीं

नगर निगम के नर्मदा परियोजना के इंजीनियर रोहित राय का कहना है कि गंदा पानी यशवंत सागर के तालाब में आने का मुद्दा हमारे संज्ञान में आया है हमारे द्वारा यशवंत सागर तालाब के पानी की जांच कराई गई है तो ट्रीटमेंट के बाद में वह पानी अभी उपयोग किए जाने लायक स्थिति में है।

हर दिन होता है 30 एमएलडी का प्रदाय

इंदौर नगर निगम के द्वारा यशवंत सागर के पानी का पेयजल के रूप में उपयोग किया जाता है। इस तालाब से हर दिन 30 मिलियन लीटर पानी शहर के पश्चिमी क्षेत्र में जलप्रपात के रूप में सप्लाई किया जाता है। ऐसे में इस तालाब के पानी की शुद्धता को लेकर गंभीरता आवश्यक हो गई है। राज्य शासन की ओर से चिट्ठी आने के बाद अब इंदौर नगर निगम, जिला पंचायत और प्रदूषण नियंत्रण मंडल इस पानी की शुद्धता के लिए सक्रिय हो गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर शहर के मैथिली भाषा भाषियों ने बिखेड़ा मिथिला की संस्कृति, लोकगीतों की खुशबु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर शहर के चिमनबाग मैदान में भाषाई विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि का अद्भुत संगम देखने को मिला। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति एवं भारतीय भाषा संवर्द्धन समिति के तत्वावधान में आयोजित इस विशेष समारोह में विभिन्न भारतीय भाषाओं के साथ मैथिली भाषा और संस्कृति की गरिमामयी प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में शहर के मैथिली भाषा-भाषी समाज ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। मैथिली साहित्य, संस्कृति, संगीत, लोकगीत और पारंपरिक खानपान पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। 'इंदौर सखी बहिनपा मैथिलानी समूह' की महिलाओं ने मधुर मैथिली लोकगीतों की प्रस्तुति देकर वातावरण को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। समारोह स्थल पर मिथिला के पारंपरिक व्यंजनों के आकर्षक स्टॉल भी लगाए गए, जिनका लोगों ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया।

इस अवसर पर मैथिल सामाजिक मंच के आदित्य नाथ झा, मुकेश झा, नुनु झा सहित इंदौर सखी बहिनपा मैथिलानी समूह की ऋतु झा, सुषमा झा, सोनी झा और बड़ी संख्या में शहर के मैथिली भाषी नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि केवल मैथिली ही नहीं, बल्कि संस्कृत, निमाड़ी, मालवी, भीली, जनजातीय भाषाएं, भोजपुरी, मलयालम, तेलुगु, कन्नड़, मराठी, पंजाबी, मारवाड़ी, सिंधी, गुजराती, नेपाली, हिंदी और गढ़वाली भाषाओं में भी प्रस्तुतियां दी गईं, जिससे भारत की भाषाई विविधता का जीवंत चित्र उभरकर सामने आया।

मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव पी. नरहरि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे, जबकि सेवानिवृत्त मेजर जनरल सरबजीत सिंह देऊसी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता समिति के क्षेत्र संपर्क प्रमुख प्रवीण गुप्त ने अपने उद्बोधन में भारत की विविध भाषाओं की समृद्ध परंपरा, विशेषताओं और उनके संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

NOTCH पब की 'गुंडागर्दी' के आगे नियम-कायदे हुए नतमस्तक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्वच्छता में नंबर वन शहर इंदौर अब 'कोलाहल' का केंद्र बनता जा रहा है। जिला प्रशासन और पुलिस कमिश्नर के सख्त निर्देशों को रद्दी का टुकड़ा समझते हुए विजय नगर स्थित NOTCH बार एंड रेस्टोरेंट ने कल रात जो किया, उसने कानून की इकबाल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जब पूरा शहर सोने की कोशिश कर रहा था, तब इस पब में बज रहे हाई-डेसिबल डीजे ने कानून और शांति दोनों की धज्जियाँ उड़ा दीं।

क्या रसूखदारों के लिए बदल जाते हैं नियम?

हाल ही में इंदौर पुलिस ने प्यानो पब पर सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाई की थी, जहाँ साउंड सिस्टम जप्त कर संचालक पर एफआईआर दर्ज की गई। लेकिन NOTCH पब के मामले में प्रशासन की 'चुप्पी' कई संदेह पैदा करती है। क्या विजय नगर पुलिस को रात भर गूँजता यह शोर सुनाई नहीं दिया या फिर इन रसूखदार पब संचालकों के पास कानून से बचने का कोई 'गुप्त रास्ता' है?

क्या विजय नगर पुलिस इन रसूखदारों के आगे नतमस्तक हो चुकी है?

अब शहर की जनता को इंतजार है कि क्या प्रशासन NOTCH पब पर भी वही 'बुलडोजर' जैसी कानूनी कार्रवाई करेगा या फिर यह 'शोर वाली संस्कृति' इंदौर की शांति को ऐसे ही निगलती रहेगी?

कार्रवाई में 'पिक एंड चूज' का खेल

14 फरवरी को तेजाजी नगर और हीरानगर में डीजे जप्त कर प्रशासन ने वाहवाही लूटी थी, लेकिन NOTCH पब की ताजा मनमानी ने इन दावों की पोल खोल दी है। कलेक्टर शिवम वर्मा और पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के 'जीरो टॉलरेंस' के दावों के बीच, NOTCH जैसे संस्थान बेखौफ होकर रात 10 बजे के बाद भी कान फोड़ू संगीत बजा रहे हैं।

बीमार बुजुर्ग और सहमे बच्चे: जिम्मेदार कौन?

विजय नगर का रहवासी इलाका इन पबों के शोर से नरक बन चुका है। परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों और घर में मौजूद मरीजों के लिए यह शोर किसी प्रताड़ना से कम नहीं है। कोलाहल नियंत्रण अधिनियम और BNS की धारा 223 का डर इन संचालकों के मन से पूरी तरह खत्म हो चुका है, क्योंकि इन्हें पता है कि 'ऊंची पहुंच' इन्हें बचा लेगी।

देपालपुर प्राकृतिक आपदा से नष्ट हुई फसल को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

राधेश्याम पटेल के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम दिया कांग्रेसियों ने ज्ञापन

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

बरलाई शुगर मिल शेयर होल्डर किसानों के साथ हो रहे अन्याय ओर अधिकारो को लेकर ओर वर्तमान में प्राकृतिक आपदा से नष्ट गेहूं ,चना एवं अन्य रबी फसल के सर्वे ओर मुआवजे को लेकर कांग्रेस नेता पूर्व जिला संघ अध्यक्ष 'राधेश्याम पटेल' के नेतृत्व में कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी 'समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता ओर किसान संगठन के 'पदाधिकारी' समस्त किसानजन ने राज्यपाल के नाम का ज्ञापन देपालपुर तहसीलदार धर्मेंद्र चौकसे को दिया ।

सैकड़ों की संख्या में किसान धरना ओर ज्ञापन में उपस्थित थे नेतृत्वकर्ता पूर्व जिला संघ अध्यक्ष राधेश्याम पटेल ने प्राकृतिक आपदा से नष्ट फसल का सर्वे करवाकर उचित मुआवजा पीड़ित और दुखी किसानों को दिया जाए यह बात कही,पूर्व जनपद अध्यक्ष उमराव सिंह मौर्य, जिला पंचायत सदस्य कृपाराम सोलंकी,पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष संतोष ठाकुर ,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षद्वय राजेश बढ़वाया, मोहन चौधरी ने भी संबोधित किया । समस्त किसान ओर कांग्रेस के कार्यकर्ता तख्तियां हाथों में

लेकर किसानों के सम्मान में कांग्रेस मैदान में के नारे लगाते हुए रैली के रूप में तहसील कार्यालय पहुंचे एसडीएम की अनुपस्थिति में तहसीलदार ने ज्ञापन लेने के पश्चात आश्वासन दिया कि किसानों की आवाज को उच्च अधिकारी और राज्यपाल भवन तक प्रेषित किया जाएगा तथा नष्ट फसल के सर्वे का भी कहा इस अवसर पर कांग्रेस नेता भंवरसिंह ठाकुर, मोहनसिंह गुर्जर, बुद्धिचंद पटेल, बाबू पटेल, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष कल्याण सिंह, सत्यनारायण शर्मा, पार्षद जितेंद्र ठाकुर, एम राशिद, सीताराम परमार, वासुदेव परमार, पवन जाट, कल्याण पटेल, पंकज पटेल, भगवान सिंह दरबार, रमेश बैरागी, गजराज बमोत्रिया, देवनारायण चौधरी, विक्रम पटेल, मुंशी गौड, वासुदेव पटेल, राजेश चंदेल, मुकेश चंदेल,चंदन बढ़वाया, कैलाश जाट, पवन बैरागी, यशवंत आंजना, पूर्व पार्षद निराला डागर, रामचरण दयाल, सुरेश चौहान, मुकेश परछइयां, कल्याण जाधव, बाबू पटेल सातेर, मुन्ना भाई, नानूराम ननवाना, आदि कांग्रेस कार्यकर्ता ओर किसानजन उपस्थित थे ।

कलेक्ट द्वारा साप्ताहिक टीएल बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश स्तर से सीएम हेल्पलाइन की मासिक ग्रेडिंग जारी की गई जिसमें स्कूल शिक्षा विभाग, ग्रेड के साथ प्रदेश में पांचवे स्थान पर रहा । शिक्षा विभाग के उक्त प्रदर्शन पर क्लेक्टर महोदय जिला इंदौर द्वारा सप्ताहिक बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी जिला इंदौर डॉ. शांता स्वामी भार्गव को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर कार्य की सहराना की गई है । इस उपलब्धि पर सीएम हेल्पलाइन में सलग्न सभी अधिकारी/ कर्मचारियों को शुभकामनाएं एवम बधाई।

इंदौर की ग्रामीण महिलाओं के हुनर से सजेगा 'होली के रंग आजीविका के संग' महोत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● होली के पावन पर्व को खास बनाने और स्व सहायता समूह से जुड़ी ग्रामीण महिला उद्यमियों को सशक्त मंच प्रदान करने के लिए इंदौर जिला पंचायत द्वारा 'होली के रंग आजीविका के संग' महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी सह-विक्रय कार्यक्रम 28 फरवरी और 1 मार्च 2026 को शहर के हृदय स्थल ग्रामीण हाट बाजार, ढक्कन वाला कुआं, साऊथ तुकोगंज पर आयोजित होगा। इस महोत्सव में इंदौर जिले और इंदौर संभाग के विभिन्न विकासखंडों की ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया जाएगा। महोत्सव का मुख्य आकर्षण पूरी तरह से प्राकृतिक और हर्बल गुलाल होगा, जिसे महिलाओं ने फूलों और प्राकृतिक तत्वों से तैयार किया है।

देपालपुर में महिंद्रा शोरूम पर चोरों का धावा

5 शातिर चोरों ने शटर का ताला तोड़कर वारदात को दिया अंजाम

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

नगर में इंदौर रोड स्थित महिंद्रा कार शोरूम में बीती रात वाहन चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात बदमाश शोरूम का शटर तोड़कर अंदर घुसे और नई स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल एसयूवी लेकर फरार हो गए। चोरी गई गाड़ी की कीमत लगभग 12 लाख रुपये बताई जा रही है। देपालपुर पुलिस के अनुसार घटना रात्रि 2 से 3,20 बजे के बीच की है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक रात्रि गश्त के दौरान करीब 1:30 बजे तक क्षेत्र में कोई संदिग्ध गतिविधि सामने नहीं आई थी। इसके बाद गश्त के दौरान पुलिस दल जब इंदौर रोड से गुजर रहा था, तब शोरूम का शटर ऊंचा और ताला टूटा हुआ नजर आया। संदेह होने पर पुलिसकर्मियों ने पास जाकर निरीक्षण किया तो शोरूम का कांच भी टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा गया तो वहां खड़ी छह-सात नई गाड़ियों में से एक वाहन गायब था। तत्काल पुलिस ने शोरूम मैनेजर असलम पटेल (खरेली, महिंद्रा कार शोरूम, देपालपुर) को रात्रि में ही फोन पर सूचना दी। घटना की आधिकारिक सूचना देपालपुर पुलिस को रात 3:35 बजे प्राप्त हुई। चोरी गई गाड़ी का मॉडल महिंद्रा बोलेरो नियो एन10 आर है, जो काले रंग

की थी। बताया जा रहा है कि वाहन पूरी तरह नया था और शोरूम में बिक्री के लिए रखा गया था। इसकी अनुमानित कीमत लगभग 12 लाख रुपये है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें संदिग्ध व्यक्ति वाहन को इंदौर रोड की ओर ले जाते हुए दिखाई दिए हैं। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे देपालपुर पुलिस ने शोरूम मैनेजर की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा इंदौर रोड सहित आसपास के मार्गों पर संभावित भागने के रास्तों की जांच की जा रही है। नाकाबंदी, सीसीटीवी के आधार और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया है। नगर में शोरूम से नई गाड़ी चोरी होने की इस घटना से नगर के व्यापारी चिंता में है स्थानीय व्यापारीयो ने इस चोरी की घटना से बड़े सवाल खड़े कर दिए है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि रात्रि ग्रस्त में पुलिस जवानों को बढ़ाया जाए और रात्रि में निकलने वाले वाहनों को चेक किया जाए और नगर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस जवान तैनात किए जाए ताकि ऐसी घटना भविष्य में दोबारा ना हो। गाड़ी चोरी की घटना से लगता है कि चोर छोटे-मोटे चोर नहीं है शातिर चोर गिरोह है जिन्होंने इतनी बड़ी घटना को अंजाम है चोरों की संख्या देख ऐसा लगता है कि संभव चोरी की घटना से पहले उन्होंने रैकिंग की होगी चोरों को यह भी पता था गाड़ियों की चाबी शोरूम में ही रहती है और उन्होंने सबसे पहले चाबी को ही ढूंढा और इतनी बड़ी घटना हो अंजाम दिया थाना प्रभारी रंजीत सिंह बघेल ने बताया कि महिंद्रा शोरूम पर चोरी हुई गाड़ी और चोरों का हम पता लगा रहे चोरी के काफ़ी सबूत हमे मिले हैं हमने फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट को भी बुलाया है लगातार हम इसकी जांच कर रहे हैं जल्द ही चोरी का बड़ा खुलासा करेंगे।

नर्मदाप्रसाद उपाध्याय और अतुल तारे को मिला हिन्दी गौरव अलंकरण 2026

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हिन्दी के समवेत स्वर के रूप में कार्यरत 'मातृभाषा उन्नयन संस्थान' द्वारा रविवार को प्रेस क्लब में हिन्दी गौरव अलंकरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें वर्ष 2026 का हिन्दी गौरव अलंकरण वरिष्ठ साहित्यकार नर्मदा प्रसाद उपाध्याय व अतुल तारे को विभूषित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल विष्णु सदाशिव कोकजे व अध्यक्षता देअविवि के कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई ने की साथ ही, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी विशेष अतिथि रहे। अतिथियों का स्वागत नितेश गुप्ता, डॉ. नीना जोशी, पारस बिरला, राजेश यादव, विलास राणे, मणिमाला शर्मा, प्रदीप जोशी, संजय त्रिपाठी व श्याम कामले ने किया। स्वागत उद्बोधन डॉ. अर्पण जैन 'अविचल' एवं संचालन डॉ. अखिलेश राव ने किया। अभिनन्दन पत्र वाचन आशीष पँवार व चेतन जोशी ने किया। हिन्दी गौरव अलंकरण समारोह में काव्य साधकों में नागदा से कमलेश दवे, माण्डव से डॉ. पंकज प्रसून चौधरी, उज्जैन से निशा पण्डित, बड़नगर से पुष्पेंद्र जोशी पुष्प और भोपाल से शिवांगी प्रेरणा को काव्य गौरव अलंकरण प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि कोकजे ने कहा कि 'प्राथमिक पढ़ाई मातृभाषाओं में होगी, तब ही प्रगति सम्भव होगी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 24 फरवरी 2026

मेट्रो की रफ्तार से चमकेगा शहर, सेफ्टी अप्रूवल के बाद 17 किमी तक दौड़ेगी ट्रेन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मेट्रो परियोजना के विस्तार को लेकर प्रक्रिया निर्णायक दौर में पहुंच गई है। परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार रेलवे सुरक्षा टीम की हरी झंडी मिलने के बाद मेट्रो सेवा का दायरा करीब 17 किलोमीटर तक बढ़ाया जाएगा। अभी संचालन सीमित हिस्से तक केंद्रित है, जबकि अगला लक्ष्य अधिक लंबे रूट पर नियमित यात्री सेवा शुरू करना है। मेट्रो के इस चरण में रेलवे से जुड़े सुरक्षा मानकों का पालन सबसे अहम बिंदु है। जिन हिस्सों में मेट्रो संरचना रेलवे क्षेत्र के पास या तकनीकी रूप से संवेदनशील जोन में आती है, वहां संचालन से पहले सुरक्षा स्वीकृति अनिवार्य होती है। इसी कारण परियोजना प्रबंधन ने तकनीकी परीक्षण, सिस्टम इंटीग्रेशन और सुरक्षा दस्तावेजों की तैयारी को

प्राथमिकता दी है। अधिकारियों का कहना है कि विस्तार से पहले ट्रैक, सिग्नलिंग, विद्युत आपूर्ति, संचार व्यवस्था और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की संयुक्त समीक्षा की जाती है। रेलवे सुरक्षा टीम के निरीक्षण में संरचनात्मक स्थिरता, परिचालन सुरक्षा और यात्रियों की निकासी से जुड़ी व्यवस्थाओं की जांच भी शामिल रहती है। अनुमति मिलने के बाद ही विस्तारित खंड में व्यावसायिक संचालन का रास्ता खुलता है।

क्यों जरूरी है रेलवे सुरक्षा मंजूरी

मेट्रो नेटवर्क का विस्तार केवल सिविल कार्य पूरा होने से संभव नहीं होता। जहां भी रेलवे मानकों से संबद्ध इंटरफेस बनता है, वहां स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकन जरूरी है। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि संचालन के दौरान किसी भी तरह का जोखिम न्यूनतम रहे और सेवाएं तय प्रोटोकॉल के साथ शुरू हों। इंदौर में भी यही प्रक्रिया लागू है और इसी के बाद अगले 17 किमी हिस्से के लिए अंतिम निर्णय लिया जाएगा। तकनीकी स्तर पर इस मंजूरी में ब्रेकिंग सिस्टम, ट्रेन कंट्रोल, ट्रैक जियोमेट्री, स्टेशन सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा प्रबंधन को परखा जाता है। परियोजना से जुड़े इंजीनियरिंग दल पहले आंतरिक परीक्षण पूरा करते हैं, फिर बाहरी एजेंसी के निरीक्षण के आधार पर सुधार लागू किए जाते हैं। इसके बाद अंतिम क्लीयरेंस जारी होती है।

यात्रियों पर क्या असर होगा

मेट्रो की दूरी बढ़ने से शहर के ज्यादा हिस्सों तक तेज सार्वजनिक परिवहन पहुंच सकेगा। अभी सीमित दायरे में उपलब्ध सेवा का लाभ बढ़कर नए यात्रियों तक जाएगा। इससे सड़क आधारित आवागमन पर दबाव घटने, यात्रा समय में कमी आने और इंटरमॉडल कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। परिवहन विशेषज्ञों के मुताबिक, मेट्रो रूट लंबा होने पर यात्रियों की संख्या में स्थिर वृद्धि देखने को मिलती है, क्योंकि तब सेवा केवल प्रदर्शन खंड से आगे बढ़कर वास्तविक शहरी आवागमन का विकल्प बनती है। इंदौर में प्रस्तावित 17 किमी विस्तार इसी दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। परियोजना प्रबंधन की प्राथमिकता सुरक्षा मंजूरी के बाद परिचालन तैयारी को अंतिम रूप देना है। इसमें ट्रेन शेड्यूलिंग, स्टेशन स्तर पर स्टाफ तैनाती, यात्री सूचना प्रणाली और टिकटिंग व्यवस्था का विस्तार शामिल है। चरणबद्ध तरीके से सेवाएं शुरू कर नेटवर्क को स्थिर रूप से चलाने की योजना बनाई जा रही है।

सम्पादकीय

भारत-ब्राजील समझौता: ड्रैगन के एकाधिकार को चुनौती और ग्लोबल साउथ का सुनहरा

समझौते में सबसे अहम सहमति दुर्लभ खनिजों और भू-धातुओं को लेकर बनी है, जो आने वाले वर्षों में समूची दुनिया में विकास के सबसे अहम कारक बनने वाले हैं। मौजूदा दौर में दुनिया भर में भू-राजनीति के स्वरूप में जिस तेजी से उतार-चढ़ाव देखे जा रहे हैं, उसमें सभी देशों के सामने अपने भविष्य और विकास की राह सुरक्षित करने की चुनौती दिख रही है। खासतौर पर जिन कारकों पर आने वाले वर्षों में विकास की दिशा निर्भर करेगी, उसके मद्देनजर अलग-अलग देशों के बीच साझेदारी के नए अध्याय तैयार हो रहे हैं, विकल्प की राह खोजी जा रही है। भारत और ब्राजील के बीच हुए समझौते को इसी की एक कड़ी के रूप में देखा जा सकता है, जिसमें मुख्य रूप से उन बिंदुओं पर सहमति बनी है, जिसमें सहयोग के क्षेत्र में विकल्प के नए रास्ते तैयार हों। आज दुनिया भर में यह चिंता सतह पर देखी जा रही है कि आने वाले वर्षों में विकास का आधार बनने वाले अहम कारकों को लेकर कैसे एक नई आपूर्ति शृंखला बनाई जाए। भारत-ब्राजील के बीच हुआ समझौता इसी संदर्भ में महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि इसके जरिए दोनों को अन्य मजबूत देशों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि इस समझौते में अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को बीस अरब डालर से ज्यादा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसे एक मजबूत आपूर्ति शृंखला बनाने की दिशा में काफी महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समझौते में सबसे अहम सहमति दुर्लभ खनिजों और भू-धातुओं को लेकर बनी है, जो आने वाले वर्षों में समूची दुनिया में विकास के सबसे अहम कारक बनने वाले हैं। इससे तकनीक के क्षेत्र में आदान-प्रदान, नई संभावनाओं की खोज, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह जगजाहिर तथ्य है कि आज लीथियम और कोबाल्ट जैसे अन्य दुर्लभ खनिज तथा भू-धातु विकास के संचालक तत्त्व बन रहे हैं। वैश्विक स्तर पर जिस तरह इलेक्ट्रिक वाहनों, ऊर्जा क्षेत्र, आधुनिक रक्षा उपकरणों के निर्माण और रोबोटिक्स उत्पादन के क्षेत्र में सभी देश अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं और इस संबंध में ज्यादा बेहतर अवसरों की तलाश में हैं। ऐसे में दुर्लभ खनिजों की मांग में काफी तेजी आने की उम्मीद है। फिलहाल वैश्विक स्तर पर दुर्लभ खनिज प्रसंस्करण के सबसे बड़े हिस्से पर चीन का नियंत्रण है।

भगोरिया: आदिवासी संस्कृति का जीवंत उत्सव

संस्कृति वो जड़ है जो हमें तूफानों में भी खड़ा रखती है, और उत्सव वो टहनी है जिस पर खुशियों के फूल खिलते हैं। ?फाल्गुन की हवाओं में जब पलाश के सुर्ख फूलों की मादक गंध घुलने लगती है और खेतों में गेहूँ की बालियाँ सुनहरी होकर झूमने लगती हैं, तब आदिवासी क्षेत्रों की पहाड़ियों में एक अलग ही संगीत गूँजने लगता है। यह संगीत है भगोरिया का। भगोरिया केवल एक लोक-उत्सव नहीं है, यह मालवा और निमाड़ के आदिवासी समाज के स्वाभिमान, उनकी सादगी और प्रकृति के प्रति उनके अगाध प्रेम का जीवंत घोषणापत्र है। यह उत्सव बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक क्यों न हो जाए, अपनी जड़ों की ओर लौटने का आनंद ही कुछ और है।

आज के दौर में जब हम भगोरिया को देखते हैं, तो एक तरफ पारंपरिक मांदल की थाप है और दूसरी तरफ आधुनिकता का शोर। करीब चार दशक पहले मेरी पुलिस विभाग की पहली पोस्टिंग यहीं हुई थी, तब से अब तक परिदृश्य बहुत बदला है। जहाँ कभी प्रकृति की प्रधानता होती थी, वहाँ अब बाजारवाद का रंग भी चढ़ने लगा है। मेलों में अब केवल ढोल-ताशे नहीं, बल्कि लाउडस्पीकरों पर बजते फिल्मी गीत और ब्रांडेड कपड़ों की चमक भी दिखाई देती है।

लेकिन, इस बदलाव के बीच सबसे सुखद पहलू यह है कि इस अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने का बीड़ा खुद आदिवासी समाज ने उठाया है। युवाओं के हाथों में आज स्मार्टफोन भले ही हों, लेकिन उनके पैरों में थिरकन आज भी उसी 'मांदल' की लय पर आती है जो उनके पूर्वजों की थी। यह उनकी अपनी पहचान को बचाए रखने की एक मौन लेकिन सशक्त क्रांति है। मेरी स्मृतियाँ मुझे करीब चार दशक पीछे ले जाती हैं। पुलिस सेवा में प्रवेश के ठीक बाद मेरी पहली पोस्टिंग आदिवासी अंचल झाबुआ में हुई थी। वह एक ऐसा दौर था जब प्रशासनिक जिम्मेदारियों की तुलना में मुझे इस अंचल की जीवन-शैली को समझना ज्यादा चुनौतीपूर्ण और रोमांचक लगा। खाकी वर्दी पहनकर जब मैं पहली बार भगोरिया की व्यवस्था संभालने पहुँचा, तो मैं दंग रह गया। वहाँ कानून नहीं, बल्कि लोक-परंपरा का अनुशासन था। वह जीवंतता, वह निश्छल मुस्कान और सांस्कृतिक गरिमा आज भी मेरी आँखों में उतनी ही ताज़ा है, जितनी उस समय थी।

भगोरिया का आयोजन होली से ठीक सात दिन पहले शुरू होता है। यह वह समय है जब रबी की फसल कटकर घर आ चुकी होती है और किसान के पास अपनी मेहनत का जश्न मनाने का वक्त होता है। साप्ताहिक हाटों के रूप में लगने वाले ये मेले किसी बड़े सांस्कृतिक कुंभ से कम नहीं होते।

दूर-दराज के गाँवों से युवक-युवतियाँ अपनी पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर टोलियों में निकलते हैं। चांदी के हंसली, कड़े और बोर जैसे आभूषणों से लदी युवतियाँ और सिर पर साफा बाँधे हाथ में तीर-कमान या बाँसुरी लिए युवक। यह दृश्य किसी महान कलाकार की पेंटिंग जैसा प्रतीत होता है। यहाँ पहनावा केवल शरीर ढंकने का साधन नहीं, बल्कि उनकी सांस्कृतिक विरासत का एक गौरवशाली हिस्सा है। भगोरिया की सबसे चर्चित और अक्सर गलत समझी जाने वाली परंपरा है जीवनसाथी का चुनाव। लोग इसे 'भागने' का मेला कहते हैं, लेकिन असल में यह 'चुनने' और 'स्वीकारने' की एक बेहद खूबसूरत सामाजिक व्यवस्था है।

परंपरा के अनुसार, यदि कोई युवक किसी युवती को 'पान' भेंट करता है और युवती उसे स्वीकार कर लेती है, तो यह उनके आपसी प्रेम का मूक संकेत होता है। कई जगहों पर गुलाल लगाने की भी परंपरा है। यह प्रेम की वह सहज और सार्वजनिक स्वीकृति है। इसके बाद होने वाले सामाजिक रीति-रिवाज उनके रिश्ते को विवाह की पवित्रता में बदल देते हैं। दरअसल यह परंपरा हमें सिखाती है कि प्रेम में जबरदस्ती नहीं, बल्कि आपसी सहमति की खुशबू होनी चाहिए।

लोक श्रुतियों के अनुसार, भगोरिया का इतिहास राजा भोज के समय से जुड़ा है। माना जाता है कि दो भील राजाओं, कासूमार और बालून ने भागोर नामक स्थान पर इस मेले की शुरुआत की थी। धीरे-धीरे यह परंपरा आसपास के क्षेत्रों में फैल गई और 'भागोरिया' के नाम से अमर हो गई। ऐतिहासिक प्रमाण चाहे जो भी कहें, लेकिन भील समाज के लिए यह उनकी वीरता और पूर्वजों के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक माध्यम भी है।

आज जब हम 2026 के पायदान पर खड़े हैं, भगोरिया के सामने कई चुनौतियां हैं। सेल्फी संस्कृति और सोशल मीडिया के प्रभाव ने मेलों की निजता को थोड़ा प्रभावित किया है। बाज़ारी ताकतों ने स्वदेशी हाटों की जगह प्लास्टिक और बनावटी वस्तुओं को बढ़ावा दिया है।

किंतु, प्रशंसा करनी होगी उस आदिवासी युवा की, जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने और शहरों में नौकरी करने के बावजूद, भगोरिया के इन सात दिनों में अपने गाँव लौट आता है। वह कोट-पैंट उतारकर अपनी पारंपरिक पोशाक पहनता है और मांदल की थाप पर पूरी शिद्दत से थिरकता है। भगोरिया केवल आदिवासियों का पर्व नहीं है, यह समूचे भारत की सांस्कृतिक विविधता का गौरव है। यह हमें याद दिलाता है कि मिट्टी से जुड़ाव ही इंसान को आसमान छूने की ताकत देता है। प्रशासन और नागरिक समाज का यह दायित्व है कि हम इस उत्सव की मौलिकता को बचाए रखें। हमें पर्यटन के नाम पर इसे 'तमाशा' बनने से रोकना होगा और इसकी सांस्कृतिक शुचिता को बनाए रखना होगा। जब भी फाल्गुन की हवा में रंगों की आहट होती है, मुझे झाबुआ की वे पगडंडियाँ याद आती हैं। भगोरिया जीवन का वह राग है, जो हमें सिखाता है कि अभावों में भी कैसे भरपूर जिया जाता है। यह उत्सव है साहस का, सामूहिकता का और उस चिरंतन प्रेम का जो सदियों से इस मिट्टी में बसा है।

-**प्रवीण कक्कड़**-विनायक फीचर्स

एआई और डीपफेक सुरक्षा चेकलिस्ट: खुद को और परिवार को कैसे बचाएं?

आज के दौर में केवल पासवर्ड बदलना काफी नहीं है। आपको अपनी डिजिटल आदतों में बदलाव करना होगा। यहाँ मुख्य बिंदु दिए गए हैं:

डीपफेक वीडियो और वॉयस कॉल की पहचान कैसे करें?

यदि आपको किसी परिचित का वीडियो कॉल या वॉयस मैसेज संदिग्ध लगे, तो इन सूक्ष्म संकेतों पर ध्यान दें: अप्राकृतिक पलकें झपकना: कई एआई मॉडल अभी भी इंसान के पलक झपकने की प्राकृतिक लय को नहीं पकड़ पाते। अगर व्यक्ति बहुत कम या अजीब तरह से पलक झपका रहा है, तो सावधान हो जाएं। होठों का तालमेल (लिप सिंक): ध्यान से देखें कि क्या आवाज़ और होठों का हिलना बिल्कुल सटीक है? अक्सर डीपफेक में थोड़ा सा 'लैग' होता है।

चेहरे के किनारे: अगर चेहरे और गर्दन के बीच की रेखा धुंधली दिखे या चेहरे के हिलने पर कान के पास की इमेज 'पिक्सेलेट' (तड़क रही) हो, तो वह एआई हो सकता है। **अजीब आवाज़:** एआई वॉयस क्लोनिंग में भावनाएं (इमोशन) अक्सर सपाट होती हैं। अगर आवाज़ रोबोटिक या बिना उतार-चढ़ाव वाली लगे, तो तुरंत कॉल काट दें।

'फैमिली सेफ्टी कोड' (पारिवारिक सुरक्षा पासवर्ड) बनाएं

यह सबसे प्रभावी तरीका है। अपने परिवार के साथ एक 'सीक्रेट कोड' (जैसे कोई गुप्त शब्द या नंबर) तय करें।

यदि कभी कोई आपातकालीन कॉल आए (जैसे- 'मैं मुसीबत में हूँ, पैसे भेज दो'), तो पहले उनसे वह 'सीक्रेट कोड' पूछें।

एआई आपकी आवाज़ की नकल कर सकता है, लेकिन वह आपके परिवार के गुप्त समझौतों को नहीं जान सकता। सोशल मीडिया पर 'डिजिटल प्राइवेसी' का पालन करें

तस्वीरों का सीमित उपयोग: सोशल मीडिया प्रोफाइल को 'प्राइवेट' रखें। अनजान लोगों को अपनी फोटो गैलरी तक पहुँच न दें।

बच्चों की सुरक्षा: बच्चों की तस्वीरें और स्कूल की जानकारी साझा करने से बचें। अपराधियों के लिए बच्चों के चेहरे को मॉर्फ करना सबसे आसान होता है।

जियो-टैगिंग बंद करें: फोटो डालते समय अपनी लोकेशन टैग न करें। इससे कोई भी आपकी दिनचर्या और आदतों का पता लगा सकता है।

वित्तीय लेनदेन में सावधानी

पुष्टि के बिना भुगतान नहीं: यदि व्हाट्सएप पर कोई मित्र पैसे मांगे, तो उस मैसेज पर भरोसा न करें। उसे एक सामान्य फोन कॉल (न कि व्हाट्सएप कॉल) करें और पुष्टि करें।

ओटीपी सुरक्षा: याद रखें, एआई चाहे कितना भी स्मार्ट हो जाए, बिना आपकी गलती के वह आपके बैंक खाते से पैसे नहीं निकाल सकता। अपना ओटीपी कभी किसी को न दें।

'पहले संदेह करें, फिर विश्वास करें'

रिवर्स इमेज सर्च :अगर आपको कोई सनसनीखेज फोटो मिले, तो उसे गूगल के 'सर्च बॉय इमेज' विकल्प में डालकर चेक करें कि वह असली है या एआई जनित।

आधिकारिक स्रोत: किसी भी बड़ी खबर या सरकारी घोषणा के लिए केवल आधिकारिक न्यूज़ वेबसाइटों या सरकारी पोर्टल्स पर ही भरोसा करें।

अंत में एक छोटा सा सुझाव: आप इस चेकलिस्ट को अपने परिवार के सदस्यों को बताईए। जैसा कि उस कहावत में कहा गया है 'चेत चले तो काल न खाय' आपकी एक सतर्कता आपके पूरे परिवार को एक बड़े वित्तीय या मानसिक आघात से बचा सकती है।

-**राजकुमार जैन**, तकनीकी विशेषज्ञ

आंचलिक

पीएम आवास सत्यापन टीम से गाली-गलौज, थाने में आवेदन नहीं लिया

दैनिक इंदौर संकेत

खाचरोद● आष्टा जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत गुवाडिया वाज्यात के गांव लाखूखेड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना का सत्यापन करने पीसीओ विश्राम सिंह मालवीय, पंचायत सचिव अनोखी लाल सोलंकी, जीआरएस भीम सिंह परमार पहुंचे। टीम लाखूखेड़ी निवासी मानसिंह ठाकुर के मकान का सत्यापन कर रही थी।

इसी दौरान मानसिंह ठाकुर ने तीनों कर्मचारियों से गाली-गलौज की। जान से मारने की धमकी दी। पंचायत कर्मचारी शिकायत करने सिद्दीकगंज थाने पहुंचे। आरोप है कि थाना प्रभारी ने कार्रवाई के बजाय पीड़ितों से अभद्रता की। आवेदन लेने से इनकार किया। एफआईआर दर्ज नहीं की। कथित रूप से गाली-गलौज कर भगा दिया। इसके बाद पूरे मामले की जानकारी आष्टा जनपद पंचायत के सीईओ अमित कुमार व्यास को दी गई। सीईओ के हस्तक्षेप के बाद रविवार को शासकीय कार्य के दौरान गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी देने के मामले में विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया।

नेपा लिमिटेड को मिला नया सीएमडी, बीएचईएल के नरेश सिंह ने संभाला पदभार

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● जिले के नेपानगर स्थित एशिया की पहली अखबारी कागज मिल नेपा लिमिटेड में सोमवार को सीएमडी का कार्यभार बदल गया है। बीएचईएल (BHEL) भोपाल के नरेश सिंह ने नेपा लिमिटेड के नए सीएमडी (चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक) के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने निवर्तमान सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा (विशिष्ट सेवा मेडल) से औपचारिक रूप से यह कार्यभार संभाला। वर्तमान में प्रशासनिक भवन में टेकओवर-हैंडओवर की यह प्रक्रिया निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप पूरी हो गई है और नवागत सीएमडी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर बंद उत्पादन को फिर से शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा की है।

कार्यभार संभालने के तुरंत बाद नवागत सीएमडी नरेश सिंह ने अधिकारियों के साथ एक प्रारंभिक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उन्होंने संस्थान के संचालन से जुड़े प्रमुख विषयों की जानकारी ली और अपनी प्राथमिकताओं का निर्धारण किया। इस अवसर पर संस्थान की वर्तमान कार्यस्थिति, उत्पादन फिर से शुरू करने की संभावनाओं और उपलब्ध संसाधनों के उचित उपयोग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इसके

साथ ही, प्रशासनिक समन्वय के विभिन्न पहलुओं पर भी अधिकारियों के बीच विचार-विमर्श हुआ। बैठक में नए सीएमडी को बताया गया कि पिछले समय में संस्थान को कच्चे माल की उपलब्धता और वित्तीय प्रबंधन संबंधी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इन परिस्थितियों को देखते हुए, अब एक चरणबद्ध कार्ययोजना के माध्यम से उत्पादन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के प्रयास किए जाएंगे। नए सीएमडी नरेश सिंह ने बैठक में स्पष्ट किया कि इस पूरी प्रक्रिया में कर्मचारी हितों और संस्थान की दीर्घकालिक स्थिरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

विधायक के ड्राइवर को फर्जी आरटीओ चालान भेजकर फ्रॉड फाइल खोली तो मोबाइल हैक

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● एक युवक के साथ सायबर फ्रॉड का मामला सामने आया हैं। व्हाट्सएप पर आरटीओ चालान के नाम से उसे एक एपीके फाइल भेजी गई। फाइल को डाउनलोड करते ही मोबाइल हैक हो गया। थोड़ी देर बाद अकाउंट चेक किया तो बचत खाते और एफडी से कुल एक लाख 87 हजार 999 रूपए गायब मिले। युवक ने सायबर सेल से शिकायत की, लेकिन पुलिस ने अब एक महीने बाद अब जाकर मामले में एफआईआर दर्ज की है।

21 जनवरी को शिकायत की, अब मामला दर्ज

मामला थाना नर्मदानगर का है, ग्राम अंजनिया कलां निवासी जितेंद्र गौर ने शिकायत दर्ज कराई है। जितेंद्र के मुताबिक, वह 21 जनवरी को व्हाट्एस पर उसे एक एपीके फाइल भेजी गई थी। फाइल आरटीओ चालान के नाम से थी। उसे डाउनलोड करते ही मोबाइल हैक हो गया और मेरे व्हाट्सएप से जुड़े सभी कॉन्टेक्ट पर वह शेयर हो गई। कुछ देर बाद मैंने मोबाइल री-स्टार्ट करते बैंक खाता चेक किया तो पैसे गायब मिले। सेविंग खाते से 87 हजार 999 रूपए और एक लाख रूपए की एफडी थी। पूरा पैसा किसी ने हड़प लिया।

बच्चों के लिए कराई थी एफडी

जितेंद्र के अनुसार, वह मांधाता विधायक नारायण पटेल के यहां पोकलेन ड्राइवर की नौकरी करता है। उसके खाते में मजदूरी के अलावा खेती-बाड़ी के पैसे थे, जो कि घरवालों ने भी दे रखें थे। एक लाख रूपए की एफडी उसने बच्चों के भविष्य के लिए कराई थी। लेकिन इस साबयर फ्रॉड में उसकी सारी कमाई बर्बाद हो गई। पुलिस ने कार्रवाई की मांग की है।

सायबर पुलिस मामले की जांच कर रही

थाना नर्मदानगर टीआई विकास खिंची के मुताबिक, इस केस में साबयर पुलिस जांच कर रही है। कल शनिवार के दिन एफआईआर दर्ज की है। आगे की जांच भी सायबर एक्सपर्ट ही करेंगे। फिलहाल अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

शहर में 900 से अधिक आवारा कुत्तों की नसबंदी: विधायक, महापौर माधुरी पटेल ने किया एबीसी सेंटर का निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या और रेबीज के खतरे को रोकने के लिए नगर निगम द्वारा एनिमल बर्थ कंट्रोल अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार शाम को विधायक अर्चना चिटनिस और महापौर माधुरी पटेल ने रेणुका माता रोड स्थित एबीसी सेंटर का निरीक्षण किया। इस अभियान के तहत शहर में अब तक 900 से अधिक आवारा कुत्तों की नसबंदी की जा चुकी है। वर्तमान में नगर निगम की विशेष टीमें वार्डों से कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी और टीकाकरण कर रही हैं, ताकि उनकी आबादी को नियंत्रित कर शहरवासियों को रेबीज से सुरक्षित रखा जा सके। निरीक्षण के दौरान विधायक अर्चना चिटनिस और महापौर माधुरी पटेल ने एबीसी सेंटर की व्यवस्थाओं, चिकित्सकीय सुविधाओं, फील्ड टीम की कार्यप्रणाली और अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने नगर निगम की इस पहल को काफी सराहनीय बताया।

विधायक अर्चना चिटनिस ने कहा कि शहर में आवारा कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं से रेबीज जैसी घातक बीमारी का खतरा बढ़ गया था। उन्होंने नगर निगम के इस एबीसी अभियान को एक दूरदर्शी,

वैज्ञानिक और मानवीय पहल बताया। चिटनिस ने इस बात पर जोर दिया कि जन स्वास्थ्य की रक्षा सरकार और नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है, और यह अभियान आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित कर रेबीज से सुरक्षा प्रदान करेगा।

इस अभियान के तहत नगर निगम की विशेष प्रशिक्षित टीमें शहर के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों से आवारा कुत्तों को मानवीय तरीके से पकड़ती हैं। इन कुत्तों को पकड़कर एबीसी सेंटर लाया जाता है, जहाँ उनकी नसबंदी, रेबीज टीकाकरण और संपूर्ण स्वास्थ्य जांच की जाती है। नसबंदी के बाद कुत्तों के कान में एक विशेष पहचान टैग लगाया जाता है, जो उनके टीकाकरण और नसबंदी की पुष्टि करता है।

नर्मदा परिक्रमा यात्रा 400 किमी तय कर खरगोन पहुंची: परिक्रमावासियों ने पार्थिव शिवलिंग बनाकर रुद्राभिषेक किया

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● नर्मदापुरम से शुरू हुई आचार्य सोमेश परसाई के सानिध्य में नर्मदा परिक्रमा तीर्थयात्रा खरगोन जिले में नर्मदा तट स्थित नावडाटौडी पहुंची। यह यात्रा लगभग 400 किलोमीटर की दूरी तय कर यहां पहुंची है। श्री शालीवाहन शिव मंदिर परिसर में 300 से अधिक परिक्रमावासियों ने पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर रुद्राभिषेक किया। इस अवसर पर आचार्य सोमेश परसाई ने सत्संग में भगवान शिव और नर्मदा की महिमा का गुणगान किया। कार्यक्रम में नर्मदा अष्टक का पाठ भी हुआ। नावडाटौडी घाट पर सामूहिक आरती और पूजन-अर्चन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु भी शामिल हुए। संगीतमयी भजन और नर्मदा सत्संग का आयोजन भी हुआ। यह परिक्रमा यात्रा श्री विद्या ललिताम्ब समिति, नर्मदापुरम द्वारा आयोजित की जा रही है। एक माह की यह यात्रा लगभग 3000 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। अगला सत्संग महाराष्ट्र के प्रकाशा में होगा। नावडाटौडी में धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान स्थानीय शालीवाहन मंदिर के पुजारी पंडित मदनलाल दुबे, भडारी बाबा, चंद्रशेखर दुबे और करणसिंह पटेल ने परिक्रमावासियों की अगवानी की। सोमवार को यह यात्रा अपने अगले पड़ाव के लिए आगे बढ़ गई।

खंडवा में हॉस्टल वार्डन पर छेड़छाड़ का आरोप, विधवा महिला भृत्य ने एसपी से की शिकायत

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● ओबीसी बालक हॉस्टल में कार्यरत विधवा दैनिक वेतन भोगी महिला भृत्य ने हॉस्टल वार्डन (अधीक्षक) संजय बरकले पर राह चलते छेड़छाड़ करने और धमकाने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस थाने में सुनवाई और एफआईआर दर्ज ना होने पर पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। वर्तमान में पुलिस इस घटना को विभागीय जांच का विषय बताकर कोई एक्शन नहीं ले रही है, जबकि महिला का दावा है कि उसके साथ राह चलते छेड़छाड़ की गई है और शिकायत करने पर वार्डन ने उसका ट्रांसफर दूसरी जगह करवा दिया है। महिला भृत्य ने अपनी शिकायत में बताया है कि वह विधवा है और हॉस्टल में दैनिक वेतन भोगी के रूप में भृत्य का काम करती है। यह बॉयज हॉस्टल पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित है, जिसके वार्डन वर्तमान में संजय बरकले हैं। पीड़िता का आरोप है कि वार्डन द्वारा उसके साथ राह चलते छेड़छाड़ की गई। महिला के अनुसार वार्डन ने धमकी देते हुए कहा, 'तू अभी जवान है, तेरा पति नहीं है, मेरी बात मान ले वरना नौकरी नहीं कर पाएगी। मेरे से दोस्ती कर ले, नहीं तो तुझे भीख मांगने के लायक छोड़ दूंगा।'

महिला का आरोप है कि जब उसने वार्डन की बात नहीं मानी, तो वार्डन बरकले ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से उसके खिलाफ कदम उठाए। महिला का कहना है कि वार्डन बरकले ने प्रभारी सहायक संचालक सुनीता मुवेल से उसके खिलाफ झूठी शिकायत की, जिसके आधार पर उसका वहां से ट्रांसफर करवा दिया गया है। पीड़िता ने राह चलते हुई इस छेड़छाड़ की बकायदा मोघट रोड पुलिस थाने में शिकायत की थी। लेकिन, जब वहां एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो उसने एसपी कार्यालय में आवेदन दिया। इसके बावजूद अब तक इस मामले में कोई एक्शन नहीं लिया गया है। जब पीड़िता ने पुलिस अधिकारियों से सवाल पूछा तो उनका कहना था कि यह विभागीय मामला है।

टी20 विश्वकप के सुपर आठ में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

पल्लेकेले (एजेंसी) • आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 का पांचवां सुपर-8 मैच मंगलवार को इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच होगा। दोनों टीमें इस मुकाबले के लिए पाल्लेकल के मैदान पर उतरेंगी। इसी मैदान पर पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का मैच बारिश के कारण धुल गया था, जिसकी वजह से उसे सिर्फ एक अंक लेकर संतुष्ट होना पड़ा। वहीं इंग्लैंड ने अपने पहले मुकाबले में श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है। ऐसे में पाकिस्तान के लिए इंग्लैंड की चुनौती बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाली है, क्योंकि अगर पाकिस्तान यहां हारती है, तो फिर सेमीफाइनल में पहुंचने का उसका सपना टूट जाएगा। हालांकि, इंग्लैंड की टीम भी अभी तक

अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी है, लेकिन दो बार की चैंपियन टीम जीत की राह पर लौटी है। सुपर आठ चरण के पहले मैच में श्रीलंका को 51 रन से हराया, जिससे उसका नेट रनरेट भी बेहतर हुआ है और वह तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर का बचाव करते हुए इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने हालात के अनुरूप खेला। उसके स्पिनरों ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया।

हम अगले मैच में मजबूत वापसी करेंगे - कप्तान सूर्यकुमार यादव

अहमदाबाद (एजेंसी) •भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि हम सुपर आठ के अगले मैच में मजबूती के साथ वापसी करेंगे। दक्षिण अफ्रीका से 76 रनों की हार के बाद सूर्यकुमार ने

कहा, 'उम्मीद है कि अच्छी बल्लेबाजी, अच्छी गेंदबाजी और अच्छा क्षेत्ररक्षण करेंगे। बस इतना ही। हम इसे सरल रखने का प्रयास करेंगे। हम जैसा क्रिकेट खेलना चाहते हैं, वैसा ही क्रिकेट खेलेंगे, और कुछ नहीं बदलेगा और मुझे लगता है कि हम मजबूती से वापसी करेंगे।' दक्षिण अफ्रीका से भारत की 76 रन की हार ने टूर्नामेंट में उसकी 12 मैचों की जीत का सिलसिला खत्म कर दिया और डिफेंडिंग चैंपियन को सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए मुश्किल रास्ते पर छोड़ दिया। अब उन्हें मुकाबले में बने रहने के लिए अपने शेष सुपर आठ मैचों में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी। भारत का अगला मुकाबला गुरुवार को चेन्नई में जिम्बाब्वे से होगा। सूर्यकुमार ने कहा कि टीम अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी और टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण के लिए भी क्वालीफाई करेगी। हार को लेकर उन्होंने कहा, 'कभी-कभी आपको सोचना पड़ता है, अगर आप 180-185 रन का पीछा कर रहे हैं, तो आप पावरप्ले में गेम नहीं जीत सकते, लेकिन आप पावरप्ले में गेम हार सकते हैं।'

अब हमारा लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना : मंधाना

केनबरा (एजेंसी) • भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली सफलता से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब उसका

लक्ष्य आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट जीतना है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधान ने कहा है टीम काफी अच्छा खेल रही है और उसकी सभी खिलाड़ी लय में हैं। टीम ने जिस प्रकार से एकदिवसीय विश्वकप जीता था, उसी तर्ज पर अब वह टी20 विश्वकप जीतना चाहती है। मंधाना ने कहा ''मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन रन बनाये जिससे भारतीय टीम को आसानी से जीत मिली। । मंधाना ने कहा, ''मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है। ।'' मंधाना ने कहा, ''यह साल टी20 का साल है। पिछला साल एकदिवसीय क्रिकेट का साल था जिसमें हमने बहुत सारे एकदिवसीय मैच खेले पर अब हम अपने टी20 खेल पर काम कर रहे हैं। हम यह भी तय कर रहे हैं कि टी20 के लिए हमारी सर्वश्रेष्ठ एकादश और सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी कैसे होने चाहिए। महिला क्रिकेट लीग (डब्ल्यूपीएल) होने से भी हमें टी20 में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

अभिनय नहीं, संगीत ही मेरा सच्चा रास्ता: अमृता फडणवीस

मुंबई (एजेंसी) • महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस की पत्नी और प्लेबैक सिंगर अम्रता फडनवीस आजकल अपने नए भक्ति गीत शंभू रे को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में रिलीज हुए इस गीत ने कुछ ही समय में दर्शकों के बीच खास जगह बना ली है। इस गीत को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। अब तक इस गाने को 9 लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। संगीत प्रेमियों के बीच बढ़ती लोकप्रियता के बीच अमृता फडणवीस ने अपने संगीत सफर, जुनून और अभिनय को लेकर अपनी स्पष्ट राय साझा की। जब उनसे पूछा गया कि मनोरंजन जगत से नजदीकी जुड़ाव होने के बावजूद क्या उन्होंने कभी फिल्मों में अभिनय करने के बारे में सोचा है, तो उन्होंने साफ कहा कि यह रास्ता उनके लिए नहीं है। उन्होंने बताया कि उन्हें कई बार फिल्मों में काम करने के ऑफर मिले, लेकिन हर बार उन्होंने विनम्रता से इन प्रस्तावों को ठुकरा दिया। उनका मानना है कि हर इंसान का जीवन एक तय दिशा में आगे बढ़ता है और उनके जीवन की दिशा संगीत है, न कि अभिनय। उनके अनुसार, संगीत ऐसी कला है जिसमें वह खुद को पूरी तरह व्यक्त कर पाती हैं और दिल से जुड़ाव महसूस करती हैं। अमृता फडणवीस ने आगे बताया कि संगीत उनके लिए सिर्फ करियर नहीं, बल्कि उनकी आत्मा का हिस्सा है। संगीत के प्रति इतने गहरे लगाव के बाद उनका कहना बिल्कुल स्पष्ट है अभिनय नहीं, संगीत ही उनका पहला और आखिरी प्यार है। उन्होंने कहा कि उनके लिए संगीत सांस लेने जैसा है जैसे इंसान बिना सांस के जीवित नहीं रह सकता, वैसे ही वे बिना संगीत के खुद को अधूरा महसूस करती हैं। चाहे सुबह का शांत माहौल हो या देर रात का समय, उन्हें जैसे ही अवसर मिलता है, वे शास्त्रीय संगीत का रियाज करने बैठ जाती हैं।

अमीन सयानी, आप हमारे दिल में हमेशा रहेंगे: जैकी श्रॉफ

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेता जैकी श्रॉफ ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर महान रेडियो उद्घोषक अमीन सयानी को उनकी पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। जैकी दादा ने दोनों की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा 'अमीन सयानी जी, आप हमारे दिल में हमेशा रहेंगे।' अमीन सयानी भारतीय रेडियो जगत के सबसे सम्मानित और लोकप्रिय नामों में से एक थे। उन्हें 'आवाज़ का जादूगर' कहा जाता था। उनके प्रतिष्ठित रेडियो शो बीनाका गीतमाला ने उन्हें घर-घर तक पहचान दिलाई। उनके 'बहनों और भाइयों' वाले अंदाज़ को आज भी लोग याद करते हैं। छह दशकों से अधिक समय तक सक्रिय रहते हुए उन्होंने 54,000 से अधिक कार्यक्रमों का निर्माण और संचालन किया, जिसके लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित भारतीय पुरस्कार भी मिले। सयानी ने अपने रेडियो करियर की शुरुआत महज 9 साल की उम्र में की थी। उनके बड़े भाई हमीद सयानी उन्हें ऑल इंडिया रेडियो बांबे ले गए थे, जहां उन्होंने अपनी आवाज रिकॉर्ड की और वहीं से रेडियो के सफ़र की शुरुआत हुई। 1952 में 'बिनाका गीतमाला' के प्रसारण ने उन्हें अचानक देशभर में सुपरस्टार बना

दिया। उनकी गर्मजोशी भरी आवाज और श्रोताओं से दिल से जुड़ने का तरीका उन्हें सबसे अलग बनाता था। रेडियो के साथ-साथ अमीन सयानी कई फिल्मों में रेडियो अनाउंसर के रूप में भी नज़र आए। इनमें भूत बंगला, तीन देवियां, बाक्सर और कत्ल जैसी फिल्में शामिल हैं। उन्होंने लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और राज कपूर जैसे महान कलाकारों के इंटरव्यू भी किए, जिनसे उनकी लोकप्रियता और बढ़ी।

उज्जैन संभाग

एक लाख स्थानों पर हनुमान चालीसा पाठ होगा, 10 करोड़ हिंदू परिवारों को जोड़ने का संकल्प : तोगड़िया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •दो दिवसीय हिंदू अधिवेशन से पहले अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने देशभर में एक लाख स्थानों पर हनुमान चालीसा पाठ कराने की घोषणा की है। उनका लक्ष्य 10 करोड़ हिंदू परिवारों को एक मंच पर जोड़ना है। यह घोषणा राष्ट्रीय बजरंग दल और राष्ट्रीय महिला परिषद के दो दिवसीय हिंदू अधिवेशन के शुभारंभ से पहले की गई। तोगड़िया ने बताया कि आगामी एक वर्ष में देश के एक लाख स्थानों पर हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य 10 करोड़ हिंदू परिवारों को संगठित करना है।

हनुमान चालीसा पाठ से शुरू होगा कार्यक्रम

शहर के शहनाई गार्डन में 24 और 25 फरवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय स्वास्थ्य महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इसमें विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष और राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के संस्थापक-अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय

हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल और राष्ट्रीय महिला परिषद ओजस्विनी के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से होगी। तोगड़िया ने अपने संकल्प को 'सुरक्षित, समृद्ध, स्वस्थ और स्वावलंबी हिंदू' बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत हर मंगलवार और शनिवार को गली-गली में हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित किया जाएगा।

हर परिवार से एक मुट्?ठी अनाज एकत्रित करेंगे

तोगड़िया के अनुसार, इससे संगठनात्मक मजबूती के साथ सेवा कार्यों को भी गति मिलेगी। अभियान के दौरान हर परिवार से 'एक मुट्ठी अनाज' एकत्रित कर जरूरतमंद हिंदू परिवारों तक राशन पहुंचाया जाएगा। इस अधिवेशन में देशभर से लगभग 5,000 पदाधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। बताया गया कि 1,600 से अधिक बैठकों में 'हिंदू घर-सुरक्षित घर' जैसे विषयों पर रणनीति तैयार की जाएगी। हम पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमावर्ती क्षेत्रों सहित देश के 250 जिलों का दौरा कर हिंदुओं को संगठित करने का कार्य कर रहे हैं। अधिवेशन को लेकर उज्जैन शहर में सुरक्षा और आयोजन की व्यापक तैयारियां की गई हैं।

सराफा बाजार में सांड ने महिला को रौंदा, पैर में आए 6 टांके, हालत गंभीर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा के मुख्य सराफा बाजार में रविवार दोपहर करीब 3 बजे एक सांड ने पैदल जा रही एक महिला को रौंद दिया। इस हादसे में महिला बुरी तरह लहूलुहान हो गई और उनके पैर में 6 टांके आए हैं। घायल महिला की पहचान खंडवा निवासी आकांक्षा पंवार के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद उन्हें एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना के बाद बाजार में आवारा मवेशियों को लेकर नगर निगम प्रशासन की बड़ी लापरवाही एक बार फिर उजागर हो गई है। यह पूरी घटना शीतला माता मंदिर के सामने की है। जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय दो रिश्तेदार महिलाएं वहां से पैदल गुजर रही थीं। दोनों के बीच करीब चार कदम का फासला था। इसी दौरान एक सांड अचानक आया और वह अपने से आगे जा रहे दूसरे सांड पर हमला करने के लिए दौड़ा। इसी बीच रास्ते से जा रही महिला आकांक्षा पंवार को उसने रौंद दिया। हादसे के बाद महिला वहीं गिर गई और फिर खुद उठकर सड़क किनारे एक दुकान पर बैठ गई। उनके साथ आई रिश्तेदार जो आगे निकल चुकी थीं, उन्होंने दौड़कर पास आकर घायल महिला को संभाला। बाजार में भीड़भाड़ होने के कारण घायल महिला को ऑटो की मदद से एक नर्सिंग होम भेजा गया। वहां प्राइमरी इलाज के दौरान महिला के पैर में 6 टांके आए हैं। मौके पर मौजूद स्थानीय कारोबारी प्रेमांशु चौधरी ने घटना को लेकर कहा, 'महिला लहुलुहान होकर उनकी हालत नाजुक थी। बाजार की स्थिति ऐसी है कि यहां एंबुलेंस नहीं पहुंच पाती। इसलिए महिला को तत्काल ऑटो से अस्पताल भेजा।'

फसलों के नुकसान पर उज्जैन में किसान संघ का प्रदर्शन, डीएम का पुतला फूंका

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • भारतीय किसान संघ ने उज्जैन कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन किया। बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और आंधी से फसलों को हुए नुकसान के मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने एडीएम अतेंद्र सिंह गुर्जर का पुतला दहन किया और तहसीलों में चक्का जाम की चेतावनी दी। भारतीय किसान संघ, जिला उज्जैन (मालवा प्रांत, मध्यप्रदेश) ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन के नाम एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और आंधी से फसलों को हुए नुकसान के संबंध में था।

गेहूं, चना, मटर, प्याज और लहसुन को भारी क्षति - किसानों ने बताया कि वर्ष 2026 की रबी फसल में गेहूं, चना, मटर, प्याज और लहसुन को भारी क्षति हुई है। संघ ने आरबीसी की धारा 6(4) के तहत प्रति हेक्टेयर 40 हजार रुपए की राहत राशि और तत्काल फसल बीमा भुगतान की मांग की है। इसके अतिरिक्त,

सरकार से 2700 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदने का वादा पूरा करने की भी अपील की गई। भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष बहादुर सिंह आंजना ने कहा कि बेमौसम बारिश के कारण गेहूं का दाना चमकहीन हो गया है, अत: गुणवत्ता के आधार पर खरीदी में किसानों को नुकसान नहीं होना चाहिए। उन्होंने वेयरहाउस को खरीदी केंद्र बनाने और आलू-प्याज का समर्थन मूल्य घोषित करने की भी मांग की।

एडीएम ने सुनी किसानों की बात, दिया आश्वासन - ज्ञापन सौंपने के दौरान उज्जैन के एडीएम अतेंद्र सिंह गुर्जर ज्ञापन लेने पहुंचे। किसानों का आरोप है कि उन्होंने पहले बात करने से इनकार कर दिया, जिससे पदाधिकारी नाराज हो गए। हालांकि, कुछ देर बाद एडीएम ने किसानों की बात सुनी और आश्वासन दिया। इसके बावजूद, आक्रोशित किसानों ने कलेक्टर कार्यालय के बाहर एडीएम के खिलाफ नारेबाजी की और प्रतीकात्मक रूप से उनका पुतला दहन किया। भारतीय किसान संघ के जिला उपाध्यक्ष शिव शरण चरण ने कहा कि प्रशासन को स्पष्ट जवाब देना चाहिए था कि सर्वे कब होगा और राहत कब मिलेगी। भारतीय किसान संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो जिले के विभिन्न तहसीलों में चक्काजाम किया जाएगा।

फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' को लेकर प्रदर्शन, यादव समाज ने किया डायरेक्टर का पुतला दहन

दैनिक इंदौर संकेत

आगर मालवा • अखिल भारतीय यादव महासभा ने सोमवार को फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' के विरोध में प्रदर्शन किया। छावनी नाका पर फिल्म के निर्देशक का पुतला दहन कर अपनी नाराजगी जाहिर की।

सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

पुतला दहन के बाद, समाज के प्रतिनिधि कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। उन्होंने डिप्टी कलेक्टर किरण बरबड़े को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि फिल्म के पोस्टर, ट्रेलर और प्रचार सामग्री से समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।

समाज प्रतिनिधियों ने आशंका व्यक्त की कि फिल्म के कंटेंट से सामाजिक दुश्मनी फैल सकता है और समाज की छवि को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने प्रशासन से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की। प्रशासन ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए मामले में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

विधायक भंवरसिंह शेखावत ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को कहा गाली तो सुननी पड़ेगी प्यारे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● बदनावर से कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एक समय गुरु-चेले के रूप में माने जाते थे। शेखावत ने कई बार कहा कि राजनीति में वही विजयवर्गीय को लेकर आए, लेकिन बाद में शेखावत कांग्रेस में गए और 2023 के चुनाव में कांग्रेस से विधायक बने। अब एक बार फिर उनके बीच की विधानसभा में तकरार राजनीतिक चर्चा का विषय बन गई है। दरअसल शुक्रवार को भागीरथपुरा कांड को लेकर स्थगन प्रस्ताव मंजूर हो या नहीं इस पर बहस हो रही थी। इस दौरान मंत्री विजयवर्गीय ने इस घटना की जानकारी विस्तार से बताई। कहा कि 29 दिसंबर से 2 जनवरी तक वह अवकाश पर दिल्ली, मथुरा जा रहे थे। लेकिन फिर फोन आया, तो मैं दिल्ली एयरपोर्ट से लौटा सीधे इंदौर पहुंचा।

वहां 20-25 अस्पताल में 200-250 लोगों को भर्ती कराया। मैं तीन दिन तक सोया नहीं, मैंने अस्पताल में नारियल पानी बंटवाए। यह इंदौर के लिए कलंक है, आत्मग्लानी वाली है।

मंत्री विजयवर्गीय बोले- मैं वहीं का हूं और आप भी हो। आप मेरे साथ डिप्टी मेयर थे, जब मैं स्थाई समिति का अध्यक्ष था।
शेखावत बोले- तारीफ के लिए क्या ये सदन बुलाया है।
मंत्री विजयवर्गीय- फिर क्या गाली देने के लिए बुलाया है।
शेखावत फिर बोले- गाली तो सुननी पड़ेगी प्यारे जनता की।

भागीरथपुरा मुबंई की धारावी जैसी है, थोड़े अशिक्षित लोग है। इंदौर नंबर वन है और रहेगा।

इस पर भंवर सिंह शेखावत ने टोका और बात ऐसे बढ़ी- इस पर विधायक शेखावत ने टोका और कहा कि मंत्री इंदौर की ऐसी तारीफ कर रहे हैं कि जैसे वह सोने का शहर है। फिर 20 मौत कैसे हो गई और आप तो वहीं हो सालों से।

शेखावत और विजयवर्गीय के संबंधों की खटास - शेखावत और विजयवर्गीय के संबंध लंबे समय तक अच्छे रहे, लेकिन बाद में शेखावत ने आरोप लगाए कि विजयवर्गीय के कारण उन्हें इंदौर से बाहर धार जिले में टिकट दिया गया। इसके बाद आरोप लगाए कि उनके कारण वह विधानसभा चुनाव हारे। आखिर में बीजेपी से उकता कर शेखावत 2023 चुनाव के पहले कांग्रेस में चले गए और वहां बदनावर से चुनाव जीते। उन्होंने राजवर्धन दत्तीगांव को हराया।

फिर नरेंद्र सिंह तोमर ने किया माहौल को हल्का- शेखावत ने कहा- आज कैलाश बदले-बदले नजर आ रहे हैं। माहौल भी कुछ अलग दिखाई दे रहा है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी कहा- किसी की बर्बादी के आसार नहीं हैं। होली आ रही है सभी को खुश रहना चाहिए। रिश्तों में मिठास बनी रहना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा- इंदौर में होली पर मूर्ख सम्मेलन होता है। उसमें भंवर सिंह शेखावत की क्या भूमिका रहती है? इस पर शेखावत ने भी हंसते हुए कहा- वहां बजरबट्टू सम्मेलन होता है, जिसमें विजयवर्गीय हर बार अलग-अलग रूप में आते हैं। दूसरे को मौका नहीं मिलता।

भागीरथपुरा में इतने विधायकों ने लगाए थे सवाल- भागीरथपुरा कांड में कांग्रेस लगातार हमलावर रही है। इस मामले में बजट सत्र में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ ही जयवर्धन सिंह, प्रताप ग्रेवाल, राजन मंडलोई, अजय सिंह, महेश परमार, सचिन यादव, बाला बच्चन इन सभी विधायकों ने इसे लेकर सवाल लगाए।

अफसर कर रहे मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ षडयंत्र!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● क्या सूबे के सबसे कद्दावर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ कोई षड्यंत्र हो रहा है? क्या प्रदेश के अफसर किसी के इशारे पर विजयवर्गीय के खिलाफ काम कर रहे हैं ये हम नहीं कह रहे, ऐसे आरोप खुद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने लगाए हैं।

सूत्र बता रहे हैं कि विधानसभा में हुए घटनाक्रम से मंत्रीजी खासे नाराज हैं। विभाग के अफसरों का गला सूख रहा है और पार्टी संगठन उनके गुस्से को ठंडा करने में जुटा है। पूरी कहानी क्या है, सिर्फ हम आपको बताते हैं...

दरअसल 20 फरवरी को विधानसभा में भागीरथपुरा कांड पर स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा थी। नगरीय प्रशासन मंत्री होने के नाते कैलाश विजयवर्गीय को ही इस पर जवाब देना था। विधानसभा में विजयवर्गीय ने भागीरथपुरा कांड पर नैतिक जिम्मेदारी भी ली और विस्तार से बताया कि यह किस तरह से सामूहिक चूक है। उन्होंने बताया कि भागीरथपुरा में 20 लोगों की मौतें हुई हैं। विभाग के अफसरों द्वारा ठीक से ब्रीफिंग नहीं मिलने के कारण कैलाश विजयवर्गीय नाराज हो गए। बाद में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के कक्ष में उन्होंने इस पर अपनी नाराजगी भी जाहिर कर दी। इस दौरान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि मंत्री इस कदर नाराज थे कि उन्होंने नगरीय प्रशासन विभाग के अफसरों पर उनके खिलाफ षड्यंत्र करने के आरोप लगा दिए। कहा कि, अफसर उनको घेरने की कोशिश कर रहे हैं।

कैलाश विजयवर्गीय की नाराजगी देख तोमर ने नगरीय प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव (ACS) संजय दुबे को बुलवा लिया। तोमर ने संजय दुबे से कहा कि- इतना संवेदनशील मामला है। आपकी ओर से मंत्रीजी को ये कैसा जवाब लिखा गया है कुछ भी साफ नहीं है।

इसी बीच कैलाश विजयवर्गीय भड़क गए। उन्होंने गुस्से में कहा कि जवाब किसने बनाया था, उसको सस्पेंड कीजिए। इस पर एसीएस संजय दुबे ने कहा कि जवाब तो मेरे साइन से ही आया है, इसलिए मुझे ही सस्पेंड कीजिए। इस पर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि क्या आप पढ़ते नहीं हैं? आपके गलत जवाब के कारण विपक्ष मुझ पर हमलावर हुआ। आईएएस संजय दुबे ने कहा कि हमारी गलती नहीं है। जवाब तो सही बना है, आपने ठीक से पढ़ा और समझा ही नहीं। उन्होंने बताया कि जवाब में साफ लिखा है कि 20 लोगों की मौत दूषित पानी के कारण हुई है।

जयवर्धन ने लगा दिया झूठ बोलने का आरोप

इधर, स्थगन प्रस्ताव के दौरान ही, कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कैलाश विजयवर्गीय पर गलत आंकड़े देने का आरोप लगा दिया। जयवर्धन ने कहा कि, मेरे द्वारा पूछे गए प्रश्न क्रमांक 1625 में मंत्रीजी ने बताया है कि भागीरथपुरा में कुल 20 मौतें हुई हैं। लिखित उत्तर के पहले पेज पर 20 मौतों का उल्लेख है और इसी के परिशिष्ट में 32 मौतों की बात कही जा रही है। जयवर्धन यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि कल 19 फरवरी को भी नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को दिए गए उत्तर में 20 मौतों की बात की गई है। मंत्री सदन में गलत जानकारी दे रहे हैं। सदन में इस बात पर चर्चा होना चाहिए कि सरकार सही आंकड़ा क्यों नहीं दे पा रही है? अब तक सिर्फ 20 पीड़ित परिजनों तक ही मुआवजा क्यों पहुंचा है?

न्यूज ब्रीफ

निजी पार्टी में फूड पाइजनिंग के कुछ नागरिकों की तबीयत बिगड़ी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शनिवार देर रात भागीरथपुरा क्षेत्र स्थित शर्मा गली में आयोजित एक जन्मदिन पार्टी में भोजन ग्रहण करने के बाद कुछ नागरिकों की तबीयत खराब होने की सूचना सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हासानी ने स्पष्ट किया है कि सभी 6 नागरिकों का स्वास्थ्य वर्तमान में पूरी तरह सामान्य एवं ठीक है। डॉ. हासानी ने बताया कि शनिवार को भागीरथपुरा में आयोजित जन्मदिन समारोह में लगभग 60 रिश्तेदार शामिल हुए थे, जिन्होंने रात करीब 11 बजे भोजन किया था। इसके बाद रविवार को कुछ लोगों में स्वास्थ्य संबंधी समस्या सामने आई। प्रभावित व्यक्तियों का उपचार किया गया तथा एहतियात के तौर पर उन्हें एम.वाय.अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि सभी मरीजों की स्थिति सामान्य है और किसी प्रकार की गंभीरता नहीं है।

पीयूष राणे ने सिल्वर मेडल जीता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के तत्वावधान में इंडियन स्किल 2025-26 रीजनल प्रतियोगिता (वेस्टर्न रीजन) का आयोजन गांधीनगर (गुजरात) में किया गया। यह प्रतियोगिता विश्व कौशल प्रतियोगिता-2026 के अंतर्गत आयोजित हुई। इसमें संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था इंदौर के रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग व्यवसाय के प्रशिक्षणार्थी श्री पीयूष राणे ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल हासिल किया तथा 50 हजार की पुरस्कार राशि अर्जित की।

भागीरथपुरा कांड में क्या जाति देखकर आईएएस पर तय हुई कार्रवाई, उमंग सिंघार के गंभीर आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से अब तक 35 लोगों की मौत हो चुकी है। इस मामले में विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ था। अब इसमें पहली बार नए तरह के आरोप लगे हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधानसभा में आरोप लगाए कि इसमें दो आईएएस पर कार्रवाई होना थी लेकिन जाति देखते हुए एक को पदोन्नत किया गया। वहीं दूसरे आईएएस अफसर को दंड दिया गया।

घटना के बाद यह हुई थी कार्रवाई-घटना के बाद 2 जनवरी को मध्य प्रदेश सरकार ने सख्ती दिखाई और 2017 बैच के आईएएस रोहित सिसोनिया (अपर आयुक्त) को सस्पेंड कर दिया। इसके बाद 2014 बैच के आईएएस दिलीप यादव (निगमायुक्त) का ट्रांसफर कर दिया गया। उन्हें उप सचिव पंचायत विभाग बना दिया गया। बाद में उन्हें एमडी पर्यटन विभाग बनाया गया। इसके अलावा, कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव को सस्पेंड कर दिया गया, जबकि उपयंत्री शुभम श्रीवास्तव की सेवा खत्म कर दी गई और जोनल अधिकारी भी निलंबित कर दिए गए।

उमंग ने गंभीर आरोप लगाए

उमंग सिंघार ने स्थगन प्रस्ताव के दौरान कहा कि- कुछ अधिकारियों को सस्पेंड किया गया वह दलित आदिवासी थे इसलिए उनको हटा दिया। दूसरे अधिकारी दूसरे वर्ग के थे जो उनका प्रमोशन कर दिया गया। यह सरकार का न्याय है। अधिकारियों में भेदभाव हो रहा है, जो अन्य वर्ग के थे, उनको उपकृत कर दिया गया।

इस मामले में फिर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने आपत्ति ली। उन्होंने कहा कि यह बात आपत्तिजनक है। सीएम मोहन यादव ने अधिकारी भेजकर जांच कराई थी। वहीं जो रिपोर्ट दी गई उसके आधार पर हटाया गया है।

अधिकारी कोई जाति देखकर नहीं हटाए जाते। जो जवाबदार व्यक्ति था उसको हटाया है और अब कौन जवाबदार है उसकी जाति थोड़ी देखी जाती है। निष्पक्षता के साथ अधिकारियों के नाम दिए हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

विधानसभा में इंदौर का आबकारी घोटाला, मंत्री बोले-

एसी आबकारी दुबे की पोस्टिंग प्रशासनिक सुविधा के लिए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर का चर्चित आबकारी घोटाला अब एमपी की विधानसभा में फिर उठा है। कांग्रेस विधायकों ने इसे लेकर वित्तमंत्री और डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा से दो सवाल पूछे थे। इसमें संजीव दुबे की जबलपुर में पोस्टिंग पर भी सवाल उठाए गए थे। साथ ही जांच रिपोर्ट भी मांगी गई थी। एसी आबकारी संजीव दुबे को इस घोटाले में पूरक आरोप पत्र मिल गया है। इसमें घोटाला अब 42 करोड़ की जगह 68.80 करोड़ माना गया है।

इंदौर में हुए इस आबकारी घोटाले को लेकर

कांग्रेस विधायक महेश परमार और विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने सवाल उठाए। इसमें विभागीय जांच की स्थिति, उसकी जांच रिपोर्ट भी मांगी गई। साथ ही पूछा गया कि जब उन पर ईडी की जांच, लोकायुक्त, विभागीय जांच यह सभी चल रही है तो फिर पोस्टिंग क्यों दी गई है। क्या जांच के दौरान पोस्टिंग दी जा सकती है और अब क्या उन्हें हटाया जाएगा। वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने इन सवालों के जवाब में माना कि दुबे पर विभागीय जांच रिपोर्ट मिल गई है। इसका विभाग द्वारा परीक्षण किया जा रहा है। वहीं दुबे को पूरक आरोप पत्र दिया गया है क्योंकि अब यह घोटाला 68.80 करोड़ का आंकलित किया गया है।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने अब ग्रेडिंग सिस्टम लागू किया...

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में अपराध पर प्रभावी रोकथाम और पुलिसिंग में दक्षता लाने के लिए पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने अब ग्रेडिंग सिस्टम लागू किया है। इंदौर के सभी चार पुलिस जोन के 32 थानों को इस नई व्यवस्था के तहत हर महीने अंक दिए जाएंगे जो थाना रैंकिंग में नंबर वन आएगा उसे पुरस्कार मिलेगा वही जिस थाने का परफॉर्मेंस सबसे खराब होगा वहां के थाना प्रभारी सहित अधिकतर स्टाफ को 10 दिन की ट्रेनिंग दी जाएगी।

पुलिस प्रणाली में कसावट लाने के लिए इस ग्रेडिंग में थानों की अपराध नियंत्रण क्षमता, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई, केस डिस्पोज़ल, पेट्रोलिंग, संवेदनशील मामलों में रिस्पॉन्स टाइम सहित कई पैरामीटर शामिल रहेंगे। नई व्यवस्था के तहत शहर में अब थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, ताकि हर थाना बेहतर प्रदर्शन कर सके। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह का स्पष्ट निर्देश है कि जो थाना पहले स्थान पर आएगा उसे सम्मानित किया जाएगा, उसके स्टाफ को प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इसका उद्देश्य पुलिस बल को प्रेरित करना और जनता के बीच भरोसा बढ़ाना है, लेकिन दूसरी ओर, जो थाने लगातार लापरवाही दिखाएंगे और रैंकिंग में सबसे नीचे पाए जाएंगे, उनके लिए सख्त कार्रवाई का रोडमैप तैयार किया गया है। सबसे कम अंक पाने वाले थाना प्रभारी और प्रमुख अधिकारियों को दस दिनों की विशेष ट्रेनिंग पर भेजा जाएगा, जिसमें उन्हें आधुनिक पुलिसिंग, अपराध विश्लेषण और केस प्रबंधन की उन्नत तकनीकें सिखाई जाएंगी। यदि इसके बाद भी थाने की कार्यशैली में सुधार नहीं होता है, तो कमिश्नरेट ने साफ कर दिया है कि संबंधित थाना प्रभारी को सस्पेंड तक किया जा सकता है। शहर में कानून-व्यवस्था मजबूत रखने और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए यह कदम अहम माना जा रहा है। ग्रेडिंग सिस्टम के लागू होने के बाद अब थानों में न केवल प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, बल्कि जनता को भी तेज, प्रभावी और जवाबदेह पुलिस सेवा मिलने की उम्मीद है।

नदी-नालों में दूषित जल प्रवाहित करने वाली औद्योगिक व अन्य इकाईयों के विरूद्ध होगी कार्रवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिले में नदी-नालों में दूषित जल प्रवाहित करने वाली औद्योगिक और अन्य इकाईयों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। निर्देश दिए गए है कि सभी ऐसी इकाईयां अपने-अपने यहां दूषित जल के समुचित निपटारे की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वे अपने परिसरों में ईटीपी की स्थापना करें। आवश्यकता के अनुसार औद्योगिक क्षेत्रों में कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (CETP) की स्थापना भी अनिवार्य रूप से की जाए।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में औद्योगिक अपशिष्ट जल के प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े विषय पर चर्चा हेतु आयोजित बैठक में दी गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में नमामि गंगे अभियान के तहत प्रदूषण को नियंत्रित करने और अपशिष्ट जल के वैज्ञानिक उपचार की व्यवस्था मजबूत करने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर वर्मा द्वारा उद्योग प्रतिनिधियों के साथ कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की आवश्यकता, केंद्र सरकार की वित्तीय सहायता तथा उद्योगों की भागीदारी को लेकर चर्चा की गई। कलेक्टर शिवम वर्मा ने उद्योग प्रतिनिधियों से पर्यावरण संरक्षण को साझा जिम्मेदारी बताते हुए सहयोग करने का आह्वान किया और कहा कि प्रशासन और उद्योगों के संयुक्त प्रयास से औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण संतुलन भी सुनिश्चित किया जा सकता है। बैठक में बताया गया कि पालदा और कुमेड़ी क्षेत्र में करीब 700 छोटे-बड़े उद्योग संचालित हैं, इन क्षेत्रों में सीईटीपी की अत्यन्त आवश्यकता है।

कलेक्टर वर्मा ने निर्देश दिए कि इन क्षेत्रों में सीईटीपी की स्थापना की जाए। जरूरत पड़ने पर टैंकरों माध्यम से भी अपशिष्ट जल का परिवहन कर सीईटीपी तक पहुँचाया जाए। पालदा और कुमेड़ी क्षेत्र में नए CETP की आवश्यकता को लेकर चर्चा करते हुए बताया गया कि परियोजना की अनुमानित लागत 66 करोड़ रुपये से अधिक है। उक्त परियोजना के संचालन के लिए केंद्र सरकार द्वारा 60 प्रतिशत राशि दी जाएगी,

भोजशाला पर एएसआई की रिपोर्ट तो पहले ही खुल चुकी, हाईकोर्ट चौंका, दो सप्ताह में आपत्ति-सुझाव मांगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● हाईकोर्ट ने भोजशाला को लेकर ASI की सीलबंद रिपोर्ट पर दावे, आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं। कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। धार भोजशाला पर ASI की रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की गई। हाईकोर्ट ने रिपोर्ट पर दावे, आपत्तियां और सुझाव देने के लिए 2 सप्ताह का समय दिया। सुनवाई 16 मार्च को तय की गई, राज्य के लिए यह एक अर्जेंट मामला बताया गया। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिए थे कि ASI की रिपोर्ट सभी पक्षकारों को दी जाए और फिर फाइनल हियरिंग हो। भोजशाला के धार्मिक स्वरूप पर निर्णय लेने के लिए ASI सर्वेक्षण रिपोर्ट का आधार लिया जाएगा।

धार भोजशाला को लेकर आर्कियोलाजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (ASI) की सीलबंद रिपोर्ट खुल चुकी है। यह बात हाईकोर्ट इंदौर खंडपीठ में सोमवार 23 फरवरी को हुई सुनवाई में सामने आई। इस पर हाईकोर्ट बेंच चौंक गई। हालांकि, फिर सामने आया कि यह केस सुप्रीम कोर्ट में जाने से पहले ही हाईकोर्ट इसकी कॉपी सभी पक्षकारों को देने का आदेश दे चुका था। इसके बाद हाईकोर्ट ने दो सप्ताह में इस रिपोर्ट पर दावे, आपत्ति, सुझाव देने के लिए कहा। अब सुनवाई 16 मार्च को तय की गई।

यह राज्य के लिए जरूरी मैटर: एजी - एजी प्रशांत सिंह वीडियो के जरिए सुनवाई में जुड़े थे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत इसे अर्जेंट बेस पर सुना जाना है और दावे,

सुझाव लेने के बाद फाइनल हियरिंग होना है। जब जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच ने अगली सुनवाई के लिए 23 मार्च की तारीख का कहा तो एजी ने जल्द सुनवाई का निवेदन किया। एजी सिंह ने कहा कि यह राज्य शासन के लिए भी अर्जेंट मैटर है, इसलिए इसे 16 मार्च को रख सकते हैं। इस पर हाईकोर्ट ने तारीख 16 मार्च रख दी।

इन्होंने रखे पक्ष : याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से वरिष्ठ एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने वीडियो के जरिए प्रकरण में पैरवी की। साथ ही अभिभाषक विनय जोशी भी रहेंगे। भोजशाला में जो एएसआई द्वारा 98 दिन तक का सर्वे हुआ है,उसके आधार पर हाईकोर्ट सुनवाई कर भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने यह दिए थे आदेश

इंदौर हाईकोर्ट से यह मामला पहले सुप्रीम कोर्ट गया था। वहां आदेश हुए कि हाईकोर्ट चीफ जस्टिस मध्यप्रदेश की अध्यक्षता वाली बेंच इसकी सुनवाई करे। फिर पीठ के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की बेंच द्वारा तीन सप्ताह की अवधि में सुनवाई की जाए। साथ ही कहा कि एएसआई की सीलबंद रिपोर्ट सभी को दी जाए। इस पर वह अपने सुझाव, आपत्ति देंगे और फिर फाइनल हियरिंग होगी। इसके बाद मामला हाईकोर्ट जबलपुर गया जहां से इसे फिर इंदौर बेंच को भेजा गया, क्योंकि न्यायालयीन क्षेत्र इंदौर था।

हाईकोर्ट में यह है याचिका और पक्षकार

हाईकोर्ट में भोजशाला के सर्वेक्षण को लेकर याचिका 10497/2022 लगी। इस पर हाईकोर्ट ने 11 मार्च 2024 को वैज्ञानिक सर्वेक्षण के आदेश दिए। इस आदेश के तहत सर्वे भी हुआ और रिपोर्ट बंद लिफाफे में पेश हुई। इसी बीच मौलाना कमालउद्दीन वेलफेयर सोसायटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका थी। हाईकोर्ट की याचिका में हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस प्रेसीडेंट रंजना अग्निहोत्री, आशीष गोयल, आशीष जनक, मोहित गर्ग, जितेंद्र सिंह, सुनील सारस्वत याचिकाकर्ता है। वहीं इसमें पक्षकार केंद्र सरकार, आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, मप्र शासन, जिला कलेक्टर, एसपी धार, मौलाना कमालउद्दीन वेलफेयर सोसायटी प्रेसीडेंट अब्दुल समद, श्री महाराजा भोज सेवा संस्थान समिति सचिव गोपाल शर्मा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।